वर्ष -10, अंक -03, पृष्ठ- 8 मूल्य : 02 रूपये
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
प्रयागराज , शुक्रवार,01 मार्च, 2024
प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
Download From Google Play Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

पश्चिमी नॉर्वे में हुआ हेलीकॉप्टर क्रैश

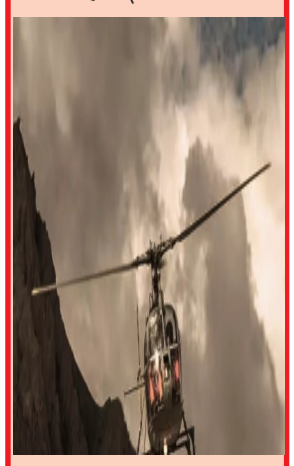

ओस्लो। पश्चिमी नॉर्वे के पास समुद्र में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा है कि ब्रिस्टो नॉर्वे द्वारा संचालित सिकोरस्की एस-92 विमान बुधवार को खोज और बचाव प्रशिक्षण मिशन पर था जब दुर्घटना हुई। पुलिस ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि बचावकर्मियों ने जहाज पर सवार छह लोगों को समुद्र से बाहर निकाला, लेकिन एक को बाद में अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया।पश्चिमी नॉर्वे के पास समुद्र में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच घायल

हो गए। अधिकारियों ने कहा है कि ब्रिस्टो नॉर्वे द्वारा संचालित सिकोरस्की एस-92 विमान बुधवार को खोज और बचाव प्रशिक्षण मिशन पर था जब यह दुर्घटना घटित हुई। दुर्घटना का कारण तत्काल पता नहीं चल पाया है।पुलिस ने बताया कि जीवित बचे पांच लोगों में से एक को केवल हल्की चोटें आईं, जबकि अन्य चार को हल्की से गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना का कारण का तत्काल पता नहीं चल पाया है। हेलीकॉप्टर का निर्माण करने वाली लॉकहीड मार्टिन कंपनी सिकोरस्की ने बुधवार को कहा कि सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और वह जांच में सहयोग के लिए तैयार है। ऊर्जा समूह इक्विनोर ने कहा कि हेलीकॉप्टर एक खोज और बचाव विमान था जो आम तौर पर उत्तरी सागर में कंपनी के ओसेबर्ग तेल और गैस क्षेत्र में प्लेटफार्मों पर सेवा प्रदान करता था।

2029 में होंगे एक साथ चुनाव केंद्र सरकार बना रही ये प्लान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। सब कुछ सही रहा तो मई-जून, 2029 में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की योजना अमल में आ सकती है। सूत्रों के अनुसार, विधि आयोग संविधान में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर एक नया अध्याय जोड़ने और 2029 के मध्य तक देशभर में लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सिफारिश कर सकता है।मई-जून 2029 में एक राष्ट्र एक चुनाव की योजना अमल में आ सकती है। सूत्रों ने कहा कि जस्टिस (सेवानिवृत्त) ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता वाला आयोग एक साथ चुनावों पर नया अध्याय या खंड जोड़ने के लिए संविधान में संशोधन की सिफारिश करेगा। पांच वर्ष की अवधि जिसमें विधानसभाओं के कार्यकाल को सीमित किया जाएगा उसके तीन चरण होंगे। एक राष्ट्र एक चुनाव का विचार नया नहीं है।सूत्रों ने कहा कि जस्टिस (सेवानिवृत्त) ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता वाला आयोग एक साथ चुनावों पर 'नया अध्याय या खंड' जोड़ने के लिए संविधान में संशोधन की सिफारिश करेगा।

डीजीसीए ने एयर इंडिया पर लगाया ३० लाख का जुर्माना बुजुर्ग यात्री को व्हीलचेयर नहीं मिलने से हुई थी मौत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। विमानन नियामक डीजीसीए ने गुरुवार को एक घटना के लिए एयर इंडिया पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। बता दें कि बीते दिनों एक 80 वर्षीय बुजुर्ग यात्री को व्हीलचेयर नहीं मिली थी जिसके कारण उनकी गिरने के कारण मौत हो गई थी।विमानन नियामक डीजीसीए ने गुरुवार को एक घटना के लिए एयर इंडिया पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। बता दें कि बीते दिनों एक 80 वर्षीय बुजुर्ग यात्री को व्हीलचेयर नहीं मिली थी जिसके कारण उनकी गिरने के कारण मौत हो गई थी। यह घटना 12 फरवरी को हुई थी। उर्ऍ ने एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।गौरतलब है कि यह घटना 12 फरवरी को हुई थी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि एयर इंडिया पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है क्योंकि वह बुजुर्ग यात्री को व्हीलचेयर उपलब्ध कराने में विफल रही।अधिकारी ने कहा, इसके अलावा, एयर इंडिया ने गलती करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ

एयरलाइन द्वारा की गई किसी भी कार्रवाई के बारे में सूचित नहीं किया और एयरलाइन भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए की गई कोई भी सुधारात्मक कार्रवाई प्रस्तुत करने में भी विफल रही।इस महीने की शुरुआत में, डीजीसीए ने वाहक को कारण बताओ नोटिस जारी किया, जिसने 20 फरवरी को वॉचडॉग को अपनी प्रतिक्रिया सौंपी।एयरलाइन ने कहा कि बुजुर्ग यात्री दूसरी व्हीलचेयर का इंतजार करने के बजाय अपनी पत्नी के साथ चलना चाहता था, जो व्हीलचेयर पर थी।अधिकारी ने कहा, सभी एयरलाइनों को यह सुनिश्चित करने के लिए एक सलाह भी जारी की गई है कि उन यात्रियों के लिए पर्याप्त संख्या में व्हीलचेयर उपलब्ध हों, जिन्हें अपनी यात्रा के दौरान विमान से चढ़ने या उतरने के दौरान सहायता की आवश्यकता होती है।

पत्नी की आत्महत्या के लिए पति तब तक जिम्मेदार नहीं वाइफ के सुसाइड को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 1993 के एक केस में अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दर्ज एक पति की सजा को रद्द करते हुए व्यक्ति को बरी कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने तीन दशक पहले अपनी पत्नी को सुसाइड के लिए उकसाने के आरोप से एक व्यक्ति को बरी करते हुए कहा है कि शादी के सात साल के भीतर अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने पर किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, जब तक कि उसके खिलाफ

उत्पीड़न या क्रूरता के ठोस सबूत न हों।सुप्रीम कोर्ट ने पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी पति को 30 साल बाद बरी करने का फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश सुनाते हुए कहा कि अपनी पत्नी को सुसाइड के लिए उकसाने पर किसी व्यक्ति को तबतक दोषी नहीं ठहराया जा सकता जब तक कि उसके खिलाफ उत्पीड़न या क्रूरता के ठोस सबूत न हों।

हिंद महासागर में बना भारत का 'सैन्य अड्डा' अगालेगा से ऐसे फेल होगा चीन का स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनौथ ने संयुक्त रूप से मॉरीशस में सेंट जेम्स जेट्टी का आज उद्घाटन

किया। इसके साथ ही दोनों ने छह सामुदायिक विकास परियोजनाओं और संयुक्त रूप से मॉरीशस में अगालेगा की नई हवाई पट्टी का भी उद्घाटन किया।हिंद महासागर में सुरक्षा के लिहाज से भारत ने एक मजबूत किला तैयार कर लिया है। मॉरीशस के अगालेगा द्वीप पर नई एयरस्ट्रिप और जेटी का उद्घाटन गुरुवार को हुआ। मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद ने कहा कि यह आयोजन मॉरीशस और भारत के बीच उल्लेखनीय और अनुकरणीय साझेदारी के लिए एक और महान क्षण का प्रतीक है। मैं मॉरीशस-भारत संबंधों और साझेदारी के लिए नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं।मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनौथ ने कहा कि वास्तव में हम आज अगालेगा द्वीप पर इतिहास बना रहे हैं, जहां नई हवाई पट्टी, नई जेटी और कई अन्य विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है। यह आयोजन मॉरीशस और भारत के बीच उल्लेखनीय और अनुकरणीय साझेदारी के लिए एक और महान क्षण का प्रतीक है। मैं मॉरीशस-भारत संबंधों और साझेदारी को नया आयाम देने के लिए नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं।मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनौथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जबसे आपने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली है, तबसे आपने हमारे देश पर जो विशेष ध्यान दिया है, उसके लिए मैं आपको मॉरीशस की सरकार और लोगों की ओर से गहरा आभार व्यक्त करना चाहता हूं। जैसे-जैसे आपका शानदार नेतृत्व दुनिया भर में फैल रहा है, भारत और प्रवासी भारतीयों ने खुद को मूल्यों, ज्ञान और सफलता की वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया है।वहीं, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 6 महीने में हमारे बीच ये पांचवीं मुलाकात है। यह भारत और मॉरीशस के बीच जीवंत, मजबूत और अनूठी साझेदारी का प्रमाण है। ग्लोबल साउथ के सदस्य होने के नाते हमारी प्राथमिकताएँ समान हैं।पीएम मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्षों में भारत-मॉरीशस संबंधों को अभूतपूर्व दिशा मिली है।

बांग्लादेश से आया 'शाहजहां बंगाल में की मजदूरा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली।राशन घोटाला और

संदेशखाली मामले का आरोपी टीएमसी नेता शाहजहां शेख कई दिनों तक गायब रहने के बाद आखिरकार बंगाल पुलिस की गिरफ्त में आ गया है। शाहजहां 55 दिनों से फरार चल रहा था और उसपर संदेशखाली में महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने तक के आरोप लगे हैं। शाहजहां बांग्लादेश से बंगाल आया था और यहां आकर उसने अपना खौफ का सम्राज्य खड़ा कर दिया। उत्तर 24 परगना का संदेशखाली बांग्लादेश की सीमा से जुड़ा है इसी वजह से वो यहां आकर रहने लगा। शुरू में शाहजहां ने खेतों और ईंट-भट्ठों पर मजदूर की तरह काम किया। आइए जानें आखिर कैसे शाहजहां शेख ने अपना इतना बड़ा आतंक का अड्डा बनाया।टीएमसी नेता र जमीन गबन तक के आरोप लगे हैं। शाहजहां बांग्लादेश से संदेशखाली आया था और यहां आकर मजदूरी करने लगा था। देखते ही देखते उसने अपार संपत्ति जुटा ली और में खौफ का दूसरा नाम बन गया। आइए, जानें आखिर कैसे शाहजहां शेख ने अपना इतना बड़ा आतंक का अड्डा बनाया।

कर्नाटक बीजेपी ने कांग्रेस पर लगाया तुष्टीकरण का आरोप कहा - राज्य की संपत्ति अल्पसंख्यकों को सौंपी गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने गुरुवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक सरकार अल्पसंख्यकों को

खुश करने के लिए बेंगलुरु में पशुपालन संपत्ति उन्हें दे रही है और इसे ठबड़ा घोटाला करार दिया। उन्होंने कहा, ठसिद्धारमैया की सरकार बेंगलुरु में पशुपालन संपत्ति अल्पसंख्यकों को दे रही है, क्योंकि अल्पसंख्यक अधिक हैं। यह एक बड़ा घोटाला है। इस बीच कर्नाटक विधानसभा के बाहर कथित पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे को लेकर चल रहे विवाद के बीच भाजपा विधायकों ने घटना पर कार्रवाई की मांग करते हुए विधानसभा में विरोध प्रदर्शन किया। विधानसभा में भाजपा विधायकों द्वारा देश का निर्णय लेने वाली कांग्रेस सरकार मुर्दाबाद रीढ़विहीन सरकार कार्रवाई करने में सक्षम नहीं है हमें न्याय चाहिए अपराधी को गिरफ्तार करो सरकार मुर्दाबाद सहित नारे लगाए गए।उन्होंने कहा कि पशुपालन संपत्ति की कीमत 500 करोड़ रुपये से अधिक है। विपक्ष के नेता ने कहा कि बीजेपी विधानसभा के अंदर और बाहर विरोध प्रदर्शन करेगी। एक्स पर पोस्ट में कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता ने पूछा कि मवेशियों का इलाज करने वाले सरकारी पशु चिकित्सालय को बंद करने और इसे अल्पसंख्यकों को देने की क्या आवश्यकता थी?उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ठकांग्रेस सरकार के भूमि जिहाद, सीएम आपने बेंगलुरु शहर के मध्य में मुसलमानों को दो एकड़ मूल्यवान पशुपालन भूमि देने का साहस किया। मवेशियों का इलाज करने वाले सरकारी पशु चिकित्सालय को बंद करने और इसे मुसलमानों को देने की क्या आवश्यकता थी? वह क्लिनिक केवल मवेशियों के लिए स्थापित नहीं किया गया है। अन्य घरेलू जानवरों के इलाज के लिए भी स्थापित किया गया था। हम शहर के बीचों-बीच पांच सौ करोड़ से अधिक की जमीन को नहीं सौंपने देंगे। उन्होंने आगे पूछा, ठक्या कांग्रेस सरकार के इस कदम को सरकार भूमि जिहाद कह सकती है? अशोक ने राज्य सरकार को आगे सुझाव दिया कि अगर सरकार अल्पसंख्यकों को खुश करना चाहती है तो वह जमीन खरीद कर उन्हें दे सकती है। उन्होंने कहा, ठपशुपालन विभाग को समर्पित जमीन क्यों दें? उस क्षेत्र के पालतू या पालतू जानवर कहां जाएंगे? इस बीच, कर्नाटक विधानसभा के बाहर कथित 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे को लेकर चल रहे विवाद के बीच, भाजपा विधायकों ने घटना पर कार्रवाई की मांग करते हुए विधानसभा में विरोध प्रदर्शन किया। विधानसभा में भाजपा विधायकों द्वारा 'देश का निर्णय लेने वाली कांग्रेस सरकार मुर्दाबाद, रीढ़विहीन सरकार कार्रवाई करने में सक्षम नहीं है, हमें न्याय चाहिए, अपराधी को गिरफ्तार करो, सरकार मुर्दाबाद' सहित नारे लगाए गए।विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि आज कर्नाटक में विधानसभा में आपातकाल और तानाशाही आ गई है। उन्होंने कहा, इंदिरा गांधी 1975 में आपातकाल लेकर आईं और अब वे इसे यहां ले आईं

इंडी गठबंधन नेतृत्वहीन गठबंधन है असम विधानसभा के डिप्टी स्पीकर ने कांग्रेस पर साधा निशाना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
गुवाहाटी। कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए असम विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ नुमल मोमिन ने इंडिया ब्लॉक को 'नेतृत्वहीन गठबंधन' कहा है। डॉ मोमिन ने बुधवार को एएनआई से कहा, ठइंडी गठबंधन एक बिना नेतृत्व वाला गठबंधन है। जिन राजनीतिक दलों ने यह गठबंधन बनाया है, उनमें एकता नहीं है।ठकांग्रेस और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए असम विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ नुमल मोमिन ने इंडिया ब्लॉक को नेतृत्वहीन गठबंधन कहा है। डॉ मोमिन ने बुधवार को एएनआई से कहा इंडी गठबंधन एक बिना नेतृत्व वाला गठबंधन है। जिन राजनीतिक दलों ने यह गठबंधन बनाया है उनमें एकता नहीं है। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि ये बिना विचारधारा बिना किसी विजन वाली पार्टियां हैं।उन्होंने कहा, ठकोई इंडी गठबंधन से प्रधानमंत्री बनना चाहता है और कुछ अन्य सहयोगियों ने किसी और का नाम ले लिया। इसलिए, नीतीश कुमार जैसे महान नेता ने इंडी गठबंधन छोड़ दिया। जब चुनाव और टिकटों की घोषणा का समय आएगा, तो इंडी गठबंधन के सभी गठबंधन सहयोगी एक-दूसरे से लड़ेंगे और इंडी गठबंधन टूट जाएगा।डिप्टी स्पीकर ने कहा, ये बिना विचारधारा, बिना किसी विजन वाली पार्टियां हैं, वे गरीबों के लिए काम करने के पक्ष में नहीं हैं। केवल वे ही कह सकते हैं कि गरीबी हटाओ, देश बचाओ और उन्होंने (कांग्रेस) 65 साल तक शासन किया, लेकिन वे गरीबी को खत्म नहीं कर सके।

दस्तावेजों के बिना मुझे कैसे मिलेगा इंस्टेंट ऑनलाइन लोन

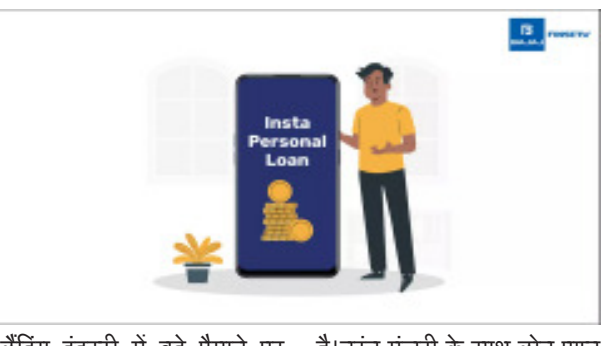

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। आज के डिजिटल ज़माने में लोन पाने की प्रक्रिया पहले से कहीं ज़्यादा तेज और सुविधाजनक हो गई है। इस क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है और अब तो लंबी-चौड़ी काग़ज़ी कार्रवाई की ज़रूरत के बिना लोन को तुरंत मंजूरी मिल जाती है। इस सुव्यवस्थित प्रक्रिया की वजह से रकम उपलब्ध कराने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सामान्य तौर पर मिलने वाले लोन की मंजूरी मिलने में काफी वक्त लग सकता है और इसके लिए ढेर सारे दस्तावेजों की ज़रूरत हो सकती है, लेकिन इसके विपरीत इंस्टेंट लोन में आवेदन की प्रक्रिया अच्छी तरह व्यवस्थित होती है, जिससे ग्राहकों को कुछ ही मिनटों के भीतर फंड पाने की सुविधा मिलती

लैंडिंग इंडस्ट्री में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है, जिससे लोगों के लिए तुरंत और कारगर तरीके से फंड पाना बेहद आसान हो गया है।इंस्टेंट लोन कम समय के लिए लोन लेने का विकल्प है जिसे ग्राहकों को तुरंत नगद रकम उपलब्ध कराने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सामान्य तौर पर मिलने वाले लोन की मंजूरी मिलने में काफी वक्त लग सकता है और इसके लिए ढेर सारे दस्तावेजों की ज़रूरत हो सकती है लेकिन इसके विपरीत इंस्टेंट लोन में आवेदन की प्रक्रिया अच्छी तरह व्यवस्थित होती है।इंस्टेंट लोन कम समय के लिए लोन लेने का विकल्प है, जिसे ग्राहकों को तुरंत नगद है।तुरंत मंजूरी के साथ लोन प्राप्त करने के लिए अपने प्री-अप्रूव्ड ऑफ़र पर गौर करना सबसे अच्छा और कारगर तरीका है। उदाहरण के लिए, बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन मौजूदा ग्राहकों को प्री-अप्रूव्ड ऑफ़र प्रदान करता है। नए ग्राहक केवल अपने मोबाइल नंबर और का उपयोग करके अपने लिए प्री-असाइंड लिमिट जेनरेट कर सकते हैं। ये प्री-अप्रूव्ड ऑफ़र होते हैं, इसलिए आपको लोन पाने से जुड़ी दूसरी शर्तों को पूरा करने या पहले से अपना स्कोर जांचने की ज़रूरत नहीं है।इस सुव्यवस्थित प्रक्रिया का सबसे बड़ा फायदा यह है ।

भारत में ही नहीं यूरोप के कई देशों में भी सड़कों पर उतरे किसान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली।जहां नई दिल्ली में सड़कों पर किसान धरना दे रखे हैं वहीं पूरे यूरोप में भी किसान ट्रैक्टर लेकर सड़कों पर हैं। स्पेन, फ्रांस और इटली समेत कई यूरोपीय देश के किसान पूरे यूरोप में ट्रैक्टर लेकर सड़कों को जाम कर रहे हैं। यूरोप में किसान बढ़ती लागत, सस्ते आयात और घटती आय की शिकायत कर रहे हैं। स्पेन में जहां रिकॉर्ड तोड़ सूखे की हालात बनी हुई हैं वहीं इस बीच 1 फरवरी को विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ है। हालांकि स्पेन के कृषि मंत्री ने किसान संघों से मुलाकात की, लेकिन प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। पिछले कई सप्ताह में यूरोप के अलग-अलग देशों में प्रदर्शन देखा गया। फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली और ग्रीस में प्रदर्शन देखा गया है। भारत में जहां किसान एक बार फिर एमएसपी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन सिर्फ भारत ही ऐसा देश नहीं है नहीं जहां किसान सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। यूरोप के कई देशों के किसान भी ट्रैक्टर लेकर सड़कों पर उतरे हुए हैं। सभी देशों के किसानों के प्रदर्शन के पीछे अलग-अलग कारण है।रूस के

आक्रमण के बाद, यूक्रेन की कृषि उपज पोलैंड, हंगरी, रोमानिया और स्लोवाकिया जैसे पड़ोसी देशों के माध्यम से मध्य पूर्व, अफ्रीका और एशिया में पहुंच रही है। यूक्रेनी अनाज का कुछ हिस्सा इन देशों के स्थानीय बाजारों में पहुंचा, जिससे घरेलू उपज की कीमतें कम हो गईं।जलवायु परिवर्तनः पानी की कमी से लेकर जंगल की आग और बाढ़ तक, यूरोप में किसान हाल के वर्षों में चरम मौसम की स्थिति से प्रभावित हुए हैं। इन परेशानियों के लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। स्पेन, इटली और पुर्तगाल जैसे दक्षिणी यूरोपीय देशों में लगातार सूखे ने कृषि को प्रभावित किया है जबकि फ्रांस और जर्मनी में बाढ़ की वजह से किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।हरित नीतियांः यूरोपीय संघ ने जुलाई 2023 में ग्रीन डील के हिस्से के रूप में अपनी कृषि नीति में सुधार किया।

लोकसभा चुनाव के लिए डीएमके ने दी लेफ्ट को दो-दो सीट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
चेन्नई। लोकसभा चुनाव में अब कुछ ही दिनों का वक्त रह गया है। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं।

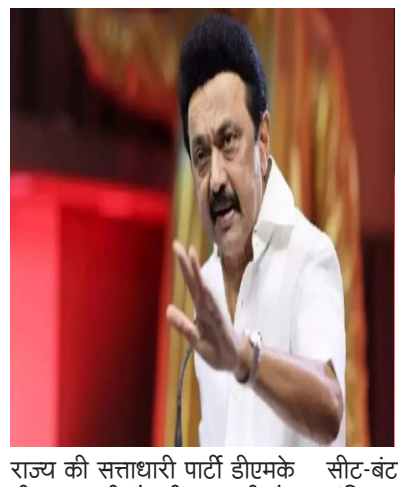

राज्य की सत्ताधारी पार्टी डीएमके भी चुनाव की तैयारी कर रही है। इसी के तहत पार्टी ने वामदलों के साथ सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया। डीएमके ने तमिलनाडु में सीपीआई और सीपीएम को लोकसभा की दो-दो सीटें दी हैं। देश में लोकसभा चुनाव की तारीख नजदीक है। आयोग कभी भी चुनाव की तारीख का एलान कर सकता है। सभी दल इसकी तैयारियों में भी जुटे हुए हैं। उधर तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी डीएमके ने राज्य में लोकसभा सीटों का बंटवारा किया है। बता दें कि डीएमके ने सीपीएम और सीपीआई को दो-दो सीटें दी हैं।डीएमके की ओर से इसे लेकर बयान जारी किया गया है। बयान में कहा गया कि सीट-बंटवारे की बातचीत को आज अंतिम रूप दिया गया और फिर फैसला लिया गया है।

मासूम को अगवा कर हत्या की नीयत से कुएं में फेंका 24 घंटे बाद पुलिस ने किया बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। बेचने के लिए एक युवक ने पांच साल के बच्चे का अपहरण कर लिया। बाद में पुलिस के डर से हत्या की नीयत से बच्चे को कुएं में फेंक दिया। अपहरण की घटना सुबह करीब ग्यारह बजे हुई और एसओजी टीम ने पूरी रात आपरेशन चलाने के बाद बपुलिस ने बच्चे को घर के पास स्थित एक कुएं से बरामद किया। एक आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। नैनी थाना क्षेत्र के काजीपुर मोहल्ले से सुबह गायब बच्चे को पुलिस ने रात भर सर्च आपरेशन चलाने के बाद एसओजी ने बृहस्पतिवार को सुबह घर के पास स्थित एक कुएं से बरामद किया है। हत्या की नीयत से अपहरणकर्ताओं ने उसे कुएं में फेंक दिया था। रात भर पुलिस और एसओजी टीम खोजती रही। सुबह

उसे सकुशल बरामद किया गया। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बेचने के लिए बच्चे का अपहरण किया गया था।काजीपुर निवासी रवि कुमार का पांच वर्षीय पुत्र यश बुधवार को सुबह करीब ग्यारह बजे लापता हो गया। काफी खोजबीन के बाद भी पता न चलने पर परिजनों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। हरकत में आई पुलिस बच्चे की खोजबीन में जुट गई। एसओजी टीम को भी मामले के खुलासे के लिए लगा दिया गया। संदेह के आधार पर एक आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी की निशानदेही पर एसओजी टीम ने अपहृत बच्चे को घर के पास स्थित एक कुएं से बृहस्पतिवार को सुबह बरामद किया।इसके बाद पुलिस और परिजनों ने राहत की सांस ली। आरोपी अनूप कुमार औद्योगितक थाना क्षेत्र के नीबी गांव का रहने वाला है। आरोपी ने बताया कि बच्चे को बेचने की नीयत से अगवा किया गया था। बाद में पुलिस के डर से कुएं में फेंक दिया। एसीपी करछना संजय सिंह ने बताया कि आरोपी तरह-तरह के बयान बदल रहा है। उससे कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। पकड़ा गया युवक औद्योगिक थाना क्षेत्र के नीबी गांव निवासी अनूप कुमार है। वह अग़वा मासूम के पड़ोसी के यहां बीते चार दिनों से युवक रह रहा था। मासूम को पतंग दिलाने का लालच देकर आरोपी उसको अपने साथ ले गया था। पुलिस आरोपी के पूछताछ कर रही है।

साक्ष्य सामने हैं तो लंबी जांच का दिखावा क्यों

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। अभ्यर्थियों ने आयोग को ईमेल आईडी पर साक्ष्य भेजने के साथ हार्डकॉपी भी उपलब्ध कराई है। अभ्यर्थियों का पूरा यकीन है कि प्रारंभिक परीक्षा की

दोनों पालियों में पेपर लीक हुआ है और इसी वजह से उन्होंने हलफनामे के साथ साक्ष्य सौंपे हैं।समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा-2023 में पेपर लीक विवाद में अभ्यर्थियों ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को हलफनामे के साथ साक्ष्य सौंपे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि साक्ष्य सामने हैं तो लंबी जांच का दिखावा क्यों किया जा रहा है। ऐसे में परीक्षा तत्काल निरस्त की जानी चाहिए है। अभ्यर्थियों ने आयोग को ईमेल आईडी पर साक्ष्य भेजने के साथ हार्डकॉपी भी उपलब्ध कराई है। अभ्यर्थियों का पूरा यकीन है कि प्रारंभिक परीक्षा की दोनों पालियों में पेपर लीक हुआ है और इसी वजह से उन्होंने हलफनामे के साथ साक्ष्य सौंपे हैं। मुरादाबाद की एक महिला अभ्यर्थी ने छात्र नेता कौशल सिंह के माध्यम से हलफनामे और पेपर लीक से जुड़े साक्ष्यों की हार्डकॉपी आयोग को उपलब्ध कराई है।

तलाक लिए बगैर लिव इन रिलेशनशिप महज एक व्यभिचारी रिश्ता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। मामला अलीगढ़ का है। महिला की शादी हो चुकी है और उसे पांच साल की बेटी भी है। आरोप है कि पति शराब का आदी है और आएदिन मारपीट करता है। इससे परेशान होकर महिला अपने एक पुरुष मित्र के साथ लिव इन में रह रही है। उसने अपने पति से जान से खतरा जताते हुए कोर्ट में याचिका दायर की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बिना तलाक लिए लिव इन रिलेशनशिप में रह रही महिला और उसके साथी को सुरक्षा देने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा, तलाक लिए बगैर लिव इन रिलेशनशिप महज एक व्यभिचारी रिश्ता है। इसे अदालती संरक्षण नहीं दिया जा सकता। ऐसा करने से समाज में अराजकता पैदा हो जाएगी। कोर्ट ने याची जोड़े पर दो हजार का जुर्माना लगाते हुए याचिका खारिज कर दी।यह फैसला न्यायमूर्ति रेनू अग्रवाल ने अलीगढ़ की मुस्लिम महिला और उसके लिव इन पार्टनर अविनाश की ओर से सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर सुनाया। याचियों के वकील का कहना था कि महिला का निकाह राजू के साथ हुआ था, जिससे पांच वर्ष की बेटी भी है। राजू आदतन शराबी है। नशे में पत्नी के साथ मारपीट करता था। इसकी शिकायत के बावजूद घरवालों ने

कोई कदम नहीं उठाया।इसी कारण पांच साल की बेटी के साथ उसने अपनी मर्जी से पति का घर छोड़ दिया। वह अविनाश के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रही है। इस रिश्ते से खफा पति राजू से उन्हें जान का खतरा है। दलील का विरोध करते हुए राज्य सरकार के वकील ने कहा कि शादीशुदा महिला ने न तो पति से तलाक लिया है और न ही धर्म परिवर्तन कानून की धारा 8 और 9 की औपचारिकता ही पूरी की है।कोर्ट ने कहा कि पति के हिंसक बर्ताव के कारण बिना तलाक लिए लिव इन रिलेशनशिप महज एक व्यभिचारी रिश्ता है, जो किसी कानून से समर्थित नहीं है। इस जोड़े को अदालत से संरक्षण और सुरक्षा मांगने का हक नहीं है। अदालत इस रिश्ते को मान्यता नहीं दे सकती। अवैध रिश्ते को संरक्षण देने से समाज में अराजकता पैदा हो जाएगी।

संगम एक्सप्रेस का बदलेगा और अब सूबेदारगंज से होगा संचालन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। वापसी में 14164 संगम एक्सप्रेस सुबह 8.30 बजे सूबेदारगंज पहुंच जाएगी। वर्तमान में संगम एक्सप्रेस 8.35 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचती है। रेलवे बोर्ड के निदेशक/कोचिंग संजय आर नीलम ने इस आशय का पत्र जारी कर दिया है। उत्तर मध्य रेलवे द्वारा किसी भी दिन संगम एक्सप्रेस सूबेदारगंज शिफ्ट की जा सकती है।प्रयागराज जंक्शन से मेरठ सिटी जाने वाली संगम एक्सप्रेस का पता बदलने जा रहा है। प्रयागराज से इस ट्रेन का संचालन अब प्रयागराज

जंक्शन की बजाय सूबेदारगंज से होगा। रेलवे बोर्ड ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। उत्तर मध्य रेलवे द्वारा किसी भी दिन इस ट्रेन को प्रयागराज की बजाय सूबेदारगंज चलाए जाने का पत्र जारी किया जा सकता है।पिछले कुंभ 2019 में ही सूबेदारगंज स्टेशन को टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित किया गया। ताकि प्रयागराज जंक्शन से चलने वाली ट्रेनें यहां शिफ्ट की जा सके।अब तक यहां प्रयागराज-उधमपुर सुपरफास्ट, प्रयागराज-देहरादून, कानपुर मेमो, पंडित दीन दयाल उपाध्याय मेमो आदि ट्रेनें वहां शिफ्ट की जा चुकी है।

फिल्म अभिनेत्री जया प्रदा को हाईकोर्ट से झटका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट से फिल्म अभिनेत्री और पूर्व सांसद जया प्रदा की याचिका खारिज कर दी है। पूर्व सांसद ने ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी गैर जमानती वारंट को रद्द करने के लिए याचिका दाखिल की थी।फिल्म अभिनेत्री और पूर्व सांसद जया प्रदा को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में रामपुर के सेशन कोर्ट से जारी गैर जमानती वारंट को रद्द करने की मांग वाली उनकी को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। उनके ऊपर 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने का मामला दर्ज किया गया था। ट्रायल कोर्ट ने अदालत में पेश न होने पर उनको गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने का आदेश जारी किया था। इसके खिलाफ जया प्रदा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। आचार संहिता के उल्लंघन के दो मामलों में पूर्व सांसद जयाप्रदा को रामपुर की ट्रायल कोर्ट ने राहत नहीं दी थी। कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी के लिए एसपी को विशेष निरीक्षक की तैनाती कर कोर्ट में पेश करने को कहा है। इसके साथ ही उनके जमानतियों को भी नोटिस जारी किया था।

जीबी नगर पुलिस आयुक्त बताएं-तीन सालों में भ्रष्टाचार में कितने पुलिसकर्मियों पर हुई कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तिथि 12 मार्च को सहायक पुलिस आयुक्त और जांच अधिकारी को उपस्थित रहने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने अंकित बालियान की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गौतमबुद्धनगर में तीन वर्षों में पुलिसकर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत हुई

कार्रवाई का ब्योरा मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि इस अवधि में इस अधिनियम के तहत कितने पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है और कितनों को बिना नोटिस बर्खास्त किया गया है।कोर्ट ने सुनवाई की अगली तिथि 12 मार्च को सहायक पुलिस आयुक्त और जांच अधिकारी को उपस्थित रहने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने अंकित बालियान की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गौतमबुद्धनगर में तीन वर्षों में पुलिसकर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत हुई कार्रवाई का ब्योरा मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि इस अवधि में इस अधिनियम के तहत कितने पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है और कितनों को बिना नोटिस बर्खास्त किया गया है।कोर्ट ने सुनवाई की अगली तिथि 12 मार्च को सहायक पुलिस आयुक्त और जांच अधिकारी को उपस्थित रहने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने अंकित बालियान की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।कोर्ट ने आदेश का अनुपालन कराने के लिए निबंधक अनुपालन को भी निर्देशित करते हुए तीन दिनों में इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराने को कहा है।याची गौतमबुद्धनगर के रबुपुरा थाने में बतौर सिपाही तैनात है। उसके खिलाफ बीटा-टू थाने में वसीम कबाड़ी से एक लाख रुपये रिश्वत मांगने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

आधुनिक
गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

समाज की समस्याओं को प्रतिबिंबित करती है पत्रकारिता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मीरजापुर। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की इकाई पत्र सूचना कार्यालय, वाराणसी द्वारा जनपद मीरजापुर के सदर तहसील में ग्रामीण पत्रकारों के लिए एक वार्तालाप कार्यशाला का आयोजन होटल स्प्रिन्स, मीरजापुर, किया गया। कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल एवं जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के वरीय प्राध्यापक डा बाला लखेंद्र, केंद्रीय संचार ब्यूरो, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के निदेशक मनोज वर्मा, श्री श्याम सुंदर केशरी नगर पालिका अध्यक्ष मीरजापुर, वरिष्ठ पत्रकार अमरेश मिश्र, पूर्व सूचना अधिकारी डॉ नरसिंह राम, डॉ लालजी और पीआईबी वाराणसी के मीडिया एवम् संचार अधिकारी प्रशांत कक्कड़ ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया।कार्याशाला को सम्बोधित करते हुये मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि खबरों का आकार विस्तृत हो गया है। लिहाजा ये पत्रकारों के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण हो गया है कि वे तथ्यपरक खबरों की शिनाख्त करके आमजन मानस को भ्रांतियों से बचाएं। उन्होने कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय पत्रकारों और भारत सरकार के बीच संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों के 100 से अधिक पत्रकारों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि वार्तालाप कार्यक्रम

उद्देश्यपरक है। आज इस वार्तालाप कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों के लिए किया गया है। मंत्री जी ने इस वार्तालाप कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में केवल छह जनपद में ही ऐसा कार्यक्रम हो पाया है। उनमें से मीरजापुर में वार्तालाप अब तक दो बार हो चुका है। गौरतलब है कि इससे पूर्व गत वर्ष नवंबर में जनपद के लालगंज तहसील में वार्तालाप का कार्यक्रम हुआ था। उन्होंने पत्रकारों को लोकतंत्र का सजग प्रहरी कहा। भारत सरकार की तमाम कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए पत्रकारों की महती भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि कई सारे पात्र लाभार्थी योजनाओं के लाभ से जानकारी के अभाव में वंचित रह जाते हैं। अतः ऐसे लोगों को योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देना आपका महती कर्तव्य है। उन्होंने कार्यशाला में आए पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी कलमवीर हैं, आपकी कलम की बहुत ताकत है। अतः आपसे संयम की अपेक्षा है। आप अपनी लेखनी का उपयोग जनहित में बहुत सोच समझकर करेंगे। यदि नदी में बाढ़ आ जाए तो चहुंओर तबाही मच जाती है। प्रकृति के संवर्धन के लिए नदी का नियंत्रित रूप से बहना बहुत जरूरी होता है। ठीक उसी प्रकार पत्रकार अपनी कलम का सदुपयोग संयमपूर्वक करें। उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि आजाद हिंदुस्तान में विकसित भारत संकल्प यात्रा की पहल नजीर पेश करती है। विगत वर्ष जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ किया गया था। इस अभियान के माध्यम से ऐसे लोग जो जन कल्याणकारी योजनाओं से वंचित रह गए थे, उनको त्वरित लाभ पहुंचाया जा रहा है। इस योजना को उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ की गई महत्वपूर्ण पहल बतलायीं। उन्होंने वार्तालाप कार्यशाला की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए पत्रकारों से अपील की कि इस कार्यशाला के माध्यम से सरकार की योजनों को गहनता एवं विस्तारपूर्वक जानें और उन्हें लक्षित समूहों तक पहुंचाने में अपनी महती भूमिका अदा करें। पत्रकारिता की रूपरेखा पर उन्होंने प्रकाश डालते हुए बताया कि पत्रकारिता कभी व्यवसाय नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि तथ्यपरक खबरों को जनता तक पहुंचाना आपकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अनुप्रिया पटेल ने मोदी सरकार में विकास की बहती गंगा का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है। आज देश के विभिन्न आयामों में विकास हो रहा है चाहे वह स्थापत्य क्षेत्र हो या सड़क निर्माण, या मेट्रो कनेक्शन हो या रेलवे का विकास।

डॉ. सरला सर्राफ पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मीरजापुर। बुधवार को नगर के भटौली रोड विजयपुरा स्थित डॉ. सरला सर्राफ पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर

पर स्वाभाविक जिज्ञासा एवं उत्सुकता से परिपूर्ण विज्ञान की सोच एवं जाँच की प्रक्रिया को विकसित करने के लिए विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने विज्ञान के मॉडल के माध्यम से वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त की । विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय के चेयरमैन दिनेश चंद्र सर्राफ ने फीता काटकर किया । प्रदर्शनी में विज्ञान से सम्बंधित विभिन्न सिद्धांतों के विषय में बच्चों ने मॉडल प्रदर्शित किया एवं उसके बारे में जानकारी प्रदान की जिसमें प्रमुख रूप से हाईडल पावर, एसिड रेन, वर्किंग ऑफ़ हार्ट, विंड मिल्स, वाटर जनरेटर, मॉडल सिटी, फायर डिटेक्टर, होम सिक्योरिटी थ्रू लेज़र,फिजिकल एंड केमिकल चेंज, इलेक्ट्रिक करेंट एंड इट्स इफ़ेक्ट, फोर्स एंड प्रेशर, लूनर सोलर एक्लिप्स के मॉडल रहे । दिनेश चंद्र सर्राफ ने कहा की बच्चों में विज्ञान के प्रति रूचि एवं उसके महत्त्व के समझ के साथ ही उनमें वैज्ञानिक सोच विकसित की जा सकती है जिससे देश का विकास संभव है । उन्होंने प्रदर्शनी में बच्चों के प्रयास की प्रशंसा करते हुए निरंतर प्रगति के लिए शुभकामना दी । कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी विद्यार्थी, अध्यापिकाओं, अभिभावकों एवं अतिथियों का धन्यवाद दिया ।डायरेक्टर आयुष कुमार सर्राफ एवं प्रीती सर्राफ ने बच्चों को नए आविष्कार करने के लिए प्रेरित किया ।इस अवसर पर करिश्मा केसरवानी,शिखा गुप्ता, सुमन पांडेय, नीलू पाठक,कीर्ति जायसवाल, प्रेरणा श्री, स्नेहा मैम,दीक्षा बरनवाल ,रवि यादव, राजकुमार कसेरा, महेंद्र गुप्ता, आदि लोग उपस्थित थे ।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि वितरण कार्यक्रम अन्तर्गत पी0एम0 किसान उत्सव दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मीरजापुर। राजकीय कृषि प्रक्षेत्र पिपराडाड़, मीरजापुर में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि वितरण कार्यक्रम अन्तर्गत पी0एम0 किसान उत्सव दिवस एवं जायद गोष्ठी/ जैविक किसान मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं

उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। मा0 मंत्री जी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा आज पी0एम0 किसान सम्मान निधि की 16वीं किस्त किसानों के खातें में प्रेषित की जा रही है। पी0एम0 किसान सम्मान निधि से किसानों के लिए बहुत ही लाभप्रद है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हो रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित श्री जगदीश सिंह पटेल, अध्यक्ष जिला सहकार बैंक द्वारा सम्बोधित करते हुए बताया गया कि मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा अन्नधन हेतु जनपद में अन्नधन भण्डारण गोदाम का उद्घाटन किया गया है। जिसमें किसान भाई अपने अनाज का भण्डारण व्यापक रूप से कर सकते है। कार्यक्रम में उपस्थित मा0 विधायक छानबे श्रीमती रिंकी कोल द्वारा उपस्थित किसानों को सम्बोधित करते हुए उ0प्र0 सरकार द्वारा किये जा रहे उपलब्धि के बारे में विस्तार से बताया गया। अपना दल (एस) के जिलाध्यक्ष श्री राम लौटन बिन्द ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उ0प्र0 सरकार एवं भारत सरकार द्वारा जनता के हित में बहुत से कार्य किये जा रही है। जिससे किसानों की आमदनी एवं उनके रहन-सहन में परिवर्तन हो रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने उपस्थित किसानों को पी0एम0 किसान सम्मान निधि के बारे में बताया साथ ही किसानों को मिश्रित खेती/औद्यानिक खेती करने हेतु भी प्रेरित किया गया। संयुक्त कृषि निदेशक अशोक उपाध्याय द्वारा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। उप कृषि निदेशक श्री विकेश कुमार द्वारा कृषकों को पी0एम0 में आ रही समस्याओं के निस्तारण के तरीके के बारे में बताया गया। साथ ही यह भी बताया कि किसानों की समस्यों को दूर करने हेतु उप कृषि निदेशक कार्यालय में पी0एम0 किसान समाधान केन्द्र भी बनाया गया है, जिसमें एक हेल्पलाइन नम्बर 9956660831 भी जारी किया गया है जिस पर किसान भाई काल करके अथवा वाट्सएप के माध्यम से भी अपनी समस्या का निस्तारण करा सकते है। साथ ही यह भी बताया कि भारत सरकार द्वारा पी0एम0 कुसुम योजना संचालित किया जा रहा है जिसमें किसानों को सिचांई हेतु 60 प्रतिशत अनुदान पर सोलर पम्प उपलब्ध करायें जा रहे है। किसान भाई सोलर पम्प प्राप्त करने हेतु कृषि विभाग की वेबसाइट पर जाकर अपना टोकन बुक करके सोलर पम्प प्राप्त कर सकते है।

मीरजापुर मे भारी वाहन प्रवेश पर लगी रोक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मीरजापुर। दिनांक 01.03.2024 को केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के विध्यांचल आगमन भ्रमण व जनसभा और दिनांक 02.03.2024 को राज्यपाल के जनपद आगमन व भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत दिनांक 29.02.2024 व दिनांक 01.03.2024 को जनपद मीरजापुर मे भारी वाहन पर लगी नोएन्ट्री नही खोली जायेगी अर्थात 29.02.2024 प्रातः 06.00 से लेकर 02.03.2024 को सायं 21.30 बजे तक जनपद मीरजापुर मे भारी वाहनो का प्रवेश वर्जित रहेगा। भारी वाहनो के लिए डायवर्जन प्लान निम्नवत हैः-1.गोपीगंज से होकर चील्ह तिराहा होते हुए मीरजापुर की तरफ आने वाले सभी भारी वाहनो को चील्ह तिराहे से वाया औराई ,राजातलाब, टेगंरामोड़ नरायणपुर चुनार होते हुवे मीरजापुर की तरफ प्रवेश दिया जायेगा। 2.औराई के रास्ते होते हुवे वाया चील्ह तिराहा मीरजापुर की तरफ प्रवेश करने वाले भारी वाहनो को टेढ़वा चौकी से वाया औराई राजातलाब टेंगरामोड़ नरायणपुर चुनार की तरफ डायवर्ट किया जायेगा।3.माण्डा,जिगना होते हुवे विन्ध्यांचल के रास्ते मीरजापुर मे प्रवेश करने वाले भारी वाहनो को गैपुरा चौराहा से वाया विजयपुर होते हुये लालगंज की तरफ डायवर्ट कर दिया जायेगा।4.लालगंज की तरफ से आने वाले भारी वाहन जो समोगरा बाई पास करनपुर चौकी से होते हुवे बथुआ तिराहा

की तरफ प्रवेश होते है, इन सभी वाहनो को समोगरा बाईपास से चुनार की तरफ डायवर्ट कर दिया जायेगा।5.राजगढ़,मडिहान बरकछा होते हुवे शहर मीरजापुर मे प्रवेश करने वाहनो को यादव चौराहा बरकछा से प्रयागराज की तरफ जाने के लिए लालगंज की तरफ व वाराणसी,भदोही जाने के लिए चुनार की तरफ डायवर्ट कर दिया जायेगा।6.चुनारि के रास्ते अघवार पड़री होते हुवे शहर मीरजापुर की तरफ आने वाले भारी वाहनो को अघवार से लालगंज की तरफ डायवर्ट कर दिया जायेगा।7. यह डायवर्जन दिनांक 29.02.2024 से प्रातः 06.00 बजे से प्रारम्भ होकर दिनांक 02.03.2024 को साय 21.30 बजे तक यातायात व्यवस्था हेतु लागू रहेगा।8.उपरोक्त प्रतिबन्ध से एम्बलेंस, पुलिस, अग्निशमन, सवारी बस/किसी भी प्रकार की बसें, हल्के चार व तीन पहिया वाहन मुक्त होंगे।9.इस डायवर्जन के सम्बन्ध में सम्बन्धित थाने व चौकियों से लगे अधि0/कर्मचारी गण उच्चाधिकारीगण से वार्ता कर के ही किसी वाहन को अवमुक्त करेंगे।आमजनमानस से अनुरोध है कि यातायात सुगम बनाने में सहयोग प्रदान करें।

शादी में दूल्हे की एक जिद पर ऐसी बिगड़ी बात कि दुल्हन ने शादी से किया इनकार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में एक शादी समारोह में दूल्हे ने ऐसी जिद की, जिससे नाराज दुल्हन ने फेरे लेने से ही इनकार कर दिया। हैरान करने वाली बात तो ये है कि इन सब के बीच दूल्हे के घरवालों को पांच लाख से अधिक रुपये भी वधू पक्ष को देने पड़े। आइए जानते हैं पूरा मामला...विवाह मंडप में सिंदूरदान के समय दहेज में बाइक मांगना दूल्हे को भारी पड़ गया। दुल्हन ने लालची दूल्हे के साथ शादी से इनकार कर दिया। घंटों पंचायत के बाद बरात बिन शादी के ही लौट गई। दूल्हा पक्ष को शादी में हुए खर्च के रूप में पांच लाख रुपये भी चुकाने पड़े। मामला सोनभद्र की सीमा से सटे गढ़वा जिले (झारखंड) के एक गांव का है।विंढमगंज से सटे गढ़वा जिले के सगमा ब्लॉक अंतर्गत मकरी गांव से बुधवार की शाम बरात 18 किमी दूर भवनाथपुर क्षेत्र में गई थी। बैंड-बाजे पर नाचते-झूमते बराती लड़की के दरवाजे पर पहुंचे। परंपरागत ढंग से द्वारपूजा और जयमाल की रस्में पूरी हुईं। शादी के लिए मंडप में जब सिंदूरदान की बारी आई तो अचानक दुल्हा दहेज में गाड़ी की मांग करने लगा। पहले उसने कार की मांग रखी, फिर समझाने पर बाइक की जिद करने लगा। दुल्हे की इस हरकत से लड़की वाले हैरान रह गए। बड़े-बुजुर्गों ने उसे मनाने का काफी प्रयास किया, मगर वह

बाइक मिलने के बाद ही मांग में सिंदूर डालने पर अड़ गया। मामला बिगड़ने पर दुल्हन ने भी लालची दूल्हे के साथ शादी करने से इनकार कर दिया और मंडप से उठकर चली गई। दोनों पक्षों के वरिष्ठों ने मामला सुलझाने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। बाद में लड़की वालों ने दूल्हा और बरातियों को रोक लिया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद मामले की सुनवाई अब 13 मार्च का

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट में दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने अपना पक्ष रखा। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक जैन की पीठ कर रही है। मामले की अगली सुनवाई अब 13 मार्च को होगी। श्रीकृष्ण जन्म भूमि विवाद मामले में बृहस्पतिवार को मुस्लिम पक्ष की ओर से बहस पूरी न होने से कोर्ट ने सुनवाई के लिए 13 मार्च की तिथि तय की है। तकरीबन डेढ़ घंटे तक चली बहस में वादों की पोषणीयता पर सवाल खड़े किए गए। मुस्लिम पक्ष की ओर से कहा गया कि सभी वाद पूजा स्थल अधिनियम के तहत सुनवाई योग्य नहीं है। फिलहाल मुस्लिम पक्ष की बहस जारी है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक जैन की पीठ कर रही है।मथुरा कटरा केशव देव के नाम दर्ज जमीन से शाही ईदगाह मस्जिद का अवैध कब्जा हटाकर भगवान श्रीकृष्ण विराजमान को सौंपने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में विचाराधीन सिविल वाद की सुनवाई जारी है। पिछली सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष की ओर से कहा गया कि शाही ईदगाह मस्जिद कटरा केशवदेव की भूमि पर नहीं है। वह अलग है, इसमें कोई विवाद नहीं है। सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश सात नियम 11 के तहत मस्जिद पक्ष की ओर से सिविल वाद की पोषणीयता पर की गई आपत्ति पर सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता तसनीम अहमदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से दूसरे दिन भी बहस कीकहा था कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ एवं ट्रस्ट व शाही ईदगाह मस्जिद के बीच 1968 में हुए एक समझौते के तहत मंदिर व मस्जिद की स्थिति स्पष्ट की गई है। मस्जिद कटरा केशव देव की जमीन पर नहीं है। इस संबंध में डिक्री भी है। कहा, मंदिर, मस्जिद अलग हैं। इसमें कोई विवाद नहीं है। और सिविल वाद मियाद कानून से भी बाधित है। शुरू से मस्जिद रही है।

अखिलेश ने सीबीआई को भेजा जवाब

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

लखनउ । सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जांच एजेंसियां

भाजपा के प्रकोष्ठ की तरह काम कर रही हैं। हमने उन्हें जवाब दे दिया है। क्या जवाब दिया है आप खुद पता कर लीजिए हम लीक करने का काम नहीं करते हैं।सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने खनन घोटाले में सीबीआई के समन का बृहस्पतिवार को जवाब भेजा है। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने जांच एजेंसी को भेजे गए अपने पत्र में वीडियो कांफ्रेंसिंग से पूछताछ करने और बयान दर्ज कराने की बात कही है। जवाब भेजने की पुष्टि अखिलेश ने खुद भी की है। सूत्रों के मुताबिक अखिलेश ने जवाब में लिखा कि मैं जांच में सहयोग के लिए तैयार हूं। इसमें लखनऊ अथवा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ सकता हूं। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि चुनाव से पहले ही नोटिस क्यों भेजा गया है? वर्ष 2019 के बाद पांच साल तक कोई जानकारी क्यों नहीं मांगी गई। सीबीआई इस मामले में मुझसे क्या पता करना चाहती है।

सीएम योगी रखेंगे पशु चिकित्सा महाविद्यालय की आधारशिला, देंगे 49 विकास परियोजनाओं की सौगात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

गोरखपुर। सीएम योगी बृहस्पतिवार को गोरखपुर के दौरे पर रहेंगे। पशु चिकित्सा महाविद्यालय की आधारशिला के साथ जिले में 1007 करोड़ रुपये की 49 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगामी तीन मार्च को गोरखपुर के ताल नदोर में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय की आधारशिला रखेंगे। इसे भविष्य में विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड कर दिया जाएगा। इसके एक दिन पहले दो मार्च को सीएम योगी महंत दिग्विजयनाथ पार्क में आयोजित कार्यक्रम में जिले को 1007 करोड़ रुपये की 49 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे।गोरखपुर में बनने वाला पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा

विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा से संबद्ध होगा। इसके बन जाने से पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार और पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के पशुपालकों को भी काफी फायदा होगा। इस महाविद्यालय को क्रमवार तीन चरणों में विकसित किया जाएगा।इसके लिए गोरखपुर-वाराणसी हाईवे पर स्थित ताल नदोर में 80 एकड़ भूमि चिन्हित की जा चुकी है। पहले चरण के निर्माण पर 228 करोड़ रुपये की लागत आएगी। कार्यदायी संस्था के रूप में लोक निर्माण विभाग को जिम्मेदार दी गई है।महाविद्यालय के परिसर में हॉस्पिटल ब्लॉक, एकेडमिक ब्लॉक, स्टाफ क्वार्टर, छात्रावास जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ पशु चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी विभिन्न विधाओं के शोध अध्ययन केंद्रों की स्थापना की जाएगी। महाविद्यालय परिसर को 'नेट जीरो एनर्जी' की अवधारणा पर विकसित किया जाएगा।

सिद्धार्थनगर जिले से पेपर लीक करने में चार आरोपियों की गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के शोहरतगढ़ से एसटीएफ ने पुलिस भर्ती परीक्षा लीक मामले में चार गिरफ्तार किया है।के बुधवार सुबह शोहरतगढ़ से इनकी गिरफ्तारी की गई। पकड़े गए आरोपियों में तीन देवरिया और एक पश्चिम बंगाल के

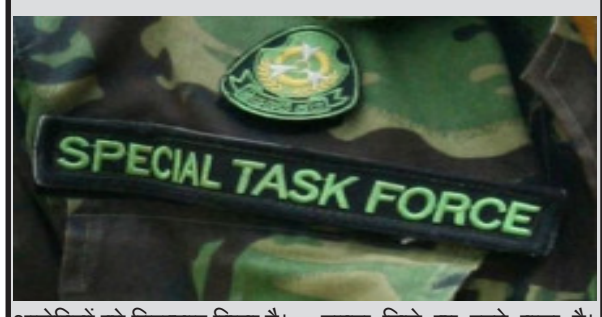

आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनसे पूछताछ के अहम कड़ियां एसटीएफ और पुलिस को मिली हैं। चारों आरोपियों को जेल भेज दिया गया।सिद्धार्थनगर में पुलिस भर्ती परीक्षा मामले में पेपर लीक करने चार आरोपियों को गिरफ्तार एसटीएफ ने पुलिस के साथ संयुक्त साझेदारी मे हावड़ा जिले का रहने वाला है। पूछताछ के बाद पुलिस ने सभी को कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह बताया कि 17 फरवरी को पुलिस भर्ती परीक्षा में सॉल्वर के पकड़े जाने के बाद इटवा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

एक बाइक पर 4 सवारी पड़ी भारी, ट्रक की टक्कर से 2 की गई जान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में गुरुवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। एक बाइक की ट्रक से टक्कर हुई जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। चारों लोग एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे और अभिजीत यादव पुत्र राकेश यादव निवासी दराव एक ही बाइक से जा रहे थे। इसमें मंशा और आकाश दोनों बांसडीह स्थित राजकीय कन्या विद्यालय में बोर्ड की परीक्षा देने जा रहे थे। जबकि अभिजीत यादव अपने मामा के गांव डुमरिया से वापस घर आ रहा था।

थे। हादसे के बाद शवों को जेसीबी की मदद से निकाला गया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में गुरुवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। एक बाइक की ट्रक से टक्कर हुई जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। चारों लोग एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। हादसे के बाद शवों को जेसीबी की मदद से निकाला गया। सहतवार थाना क्षेत्र के डुमरिया निवासी मंशा गुप्ता (17) पुत्री स्व. अभय गुप्ता, उसकी बहन मनीषा गुप्ता व आकाश यादव (19) पुत्र विश्वनाथ यादव निवासी डुमरिया इस दौरान जितौरा के पास बांसडीह के तरफ से आ रहे बालू लदे ट्रक से बाइक की भिड़ंत हो गई। जिसमें डुमरिया निवासी मंशा गुप्ता और आकाश यादव की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर जुटे लोगों ने घायलों को सीएचसी बांसडीह लाया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला चिकित्सालय भेज दिया।बाइक पर चार सवारी होने से असंतुलित बाइक के ट्रक से टक्कर के बाद बाइक सवार चार में दो सड़क के किनारे पलट गए और ट्रक के नीचे दब गए।

पत्नी की कीमत लगाई डेढ़ लाख भरी पंचायत में पति ने सुना दिया ऐसा फैसला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मेरठ। मेरठ के टीपीनगर में विवाहिता ने पुलिस से शिकायत करते हुए न्याय की मांग की है। पीड़िता ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगात हुए कहा कि वह कई बार थाने के चक्कर काट चुकी है लेकिन पुलिस मामले में कार्रवाई नहीं कर रही है। मेरठ के टीपीनगर थाना क्षेत्र में एक महिला को तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि जब उसने डेढ़ लाख की रकम लेकर पति का पीछा छोड़ने की बात से इनकार किया तो भरी पंचायत में पति उसे तीन तलाक देकर फरार हो गया। आरोप है कि पुलिस इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रही।मलियाना के इस्लामनगर की रहने वाली रूबी ने बताया कि

उसका निकाह चार साल पहले गाजियाबाद जिले के रहने वाले अशरफ के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले उसे दहेज के लिए परेशान करते थे। इसके चलते उसने पति सहित अन्य ससुराल वालों के ऊपर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था।पीड़िता रूबी का कहना है कि 15 जनवरी को रिश्तेदारों ने उसके घर पर एक पंचायत बुलाई, जिसमें पति अशरफ ने डेढ़ लाख रुपये लेकर रूबी पर खुद को छोड़ देने का दबाव बनाया।

दबंगई से बनाई लड़कों की टीम मिला सियासी संरक्षण पुलिस का भी मिला वरदहस्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

कानपुर। साउथ जोन के ज्यादातर छोटे-बड़े मामलों में हिस्ट्रीशीटर अजय ठाकुर का नाम उछलता रहा है। उस पर वसूली, बंधक बनाकर मारपीट, बलवा, जानलेवा हमला, अपहरण, छेड़छाड़, दुष्कर्म के अलावा आर्म्स एक्ट तक की धाराओं में बर्रा, गुजैनी, गोविंदनगर, किदवईनगर और नौबस्ता थाने में उसपर करीब 30 मुकदमे दर्ज हैं।कानपुर में हिस्ट्रीशीटर अजय ठाकुर साउथ जोन में अपराध का बड़ा नाम यूं ही नहीं बना। युवाओं के बीच लोकप्रियता ने उसे सियासतदानों की आंखों का नूर बना दिया। नेताओं के कार्यक्रमों में भीड़ जुटानी हो या आने वालों के खानेपीने का इंतजाम करना हो। अजय अपने धनबल और बाहुबल से नेताओं की नजरों में ऐसा चढ़ा कि उसे पुलिस छू भी नहीं पाती थी।सियासी रसूख के साथ ही उसकी संपत्तियों की किरायेदारी से होने वाली

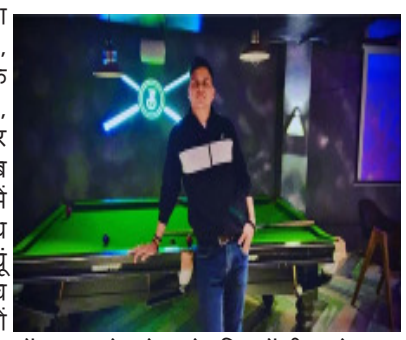

आय के बूते उसने पुलिस में भी अपने कई करीबी बना लिए। वर्तमान में भी कई पुलिस कर्मियों से उसकी करीबी छिपी नहीं है। एक चौकी इंचार्ज को तो सिर्फ इसलिए निलंबित कर दिया गया कि वह उच्चाधिकारियों पर अजय का पक्ष रखने का प्रयास कर रहा था।अजय शुरुआत से ही दोस्तों व साथियों पर पैसे खर्च करता था। खाने पीने से लेकर शराब के लिए वह दोनों हाथ से पैसा लुटाता था। इस वजह से साउथ जोन में वह युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय था। शुरुआती दौर में अजय का नाम मारपीट व गालीगलौज के मामलों में आया ,लेकिन सियासी संरक्षण की वजह से पुलिस ने उस पर कभी हाथ नहीं डाला। फिर समीकरण बिगड़े और उसके सियासी संरक्षकों ने उस पर रखाअपना हाथ खींच लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सोनभद्र बार एसोसिएशन की अध्यक्ष पूनम सिंह एडवोकेट ने किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा उत्तर प्रदेश द्वारा सोनभद्र बार एसोसिएशन के सभागार में बुधवार को आयोजित

सम्मान एवं कवि सम्मेलन कार्यक्रम में एसोसिएशन की अध्यक्ष पूनम सिंह एडवोकेट, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष पुष्पा सिंह, जिला महामंत्री प्रमिला त्रिपाठी (गुड़िया),अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला मंत्री (महिला) ज्योति सिंह ने साहित्यकार प्रतिभा देवी, चिंता पांडे, कवित्री कौशल्या कुमारी चौहान, दिव्या राय, जयश्री राय, अलका केसरी, सरोज कुमारी एडवोकेट, तृप्ति केसरवानी को अंगवस्त्रम, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।वहीं भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार व राज्य सरकार की योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए महिलाओं को सशक्त करने का कार्य किया जा रहा है योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के लिए जागरूक करते हुए योजनाओं के बारे में महिलाओं कवियित्रियों गायको साहित्यकारों के साथ योजनाओं को धरातल पर लाने के लिए प्रचार प्रसाद भी किया जा रहा है जिससे कि हर पात्र व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंच सके इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही एसोसिएशन की अध्यक्ष पूनम सिंह ने कहा कि-सोनभद्र जनपद साहित्य, कला, संस्कृति की उर्वरा भूमि रही है,यहां की मिट्टी ने महिला, साहित्यकारों, कवित्रियों को जन्म दिया। यह सोनभद्र जनपद के लिए गौरव की बात है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं, जो हम महिलाओं की सफलता का उत्कृष्ट उदाहरण है। भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह ने महिला साहित्यकारों कवियों को बधाई देते हुए कहा कि- आज हमारी सोनभद्र जनपद की बहनों ने काव्य पाठ एवं साहित्यिक व्याख्यान के माध्यम से यह साबित कर दिया कि हमारा सोनभद्र जनपद किसी से काम नहीं है। शासन के मानसा के अनुरूप हम आज महिला साहित्यकारों, कवित्रियों का सम्मान कर रहे हैं, भविष्य में महिला सशक्तिकरण के लिए जो भी शासन की योजनाएं आएंगी उनसे महिलाओं को लाभान्वित कराया जाएगा।उपरोक्त आशय की जानकारी भाजपा महिला मोर्चा की मीडिया प्रभारी कविता यादव ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दिया।इस दौरान सम्मान समारोह में सोनभद्र बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विनोद चौबे, सुरेंद्र पांडे, अधिवक्ता, प्रद्युम्न त्रिपाठी, अशोक तिवारी, धर्मेश चौहान,मदन चौबे, हर्षवर्धन केसरवानी आदि अधिवक्ता, साहित्यकार, पत्रकार उपस्थित रहे।

पुलिस की अवस्थापना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कार्यों का किया गया लोकार्पण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
मीरजापुर। उत्तर प्रदेश पुलिस अवस्थापना सुविधाओं के सुदृढीकरण हेतु मा0 मुख्यमंत्री जी उ0प्र0 द्वारा प्रदेश के विभिन्न

जनपदों में 148 निर्माण कार्यों का पूर्वान्ह 11ः00 बजे वर्चुअल माध्यम से लोकार्पणध्शिलान्यास तथा शुभारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद मीरजापुर के सभी थानों पर साइबर सेल का लोकार्पण/शिलान्यास किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम पुलिस लाइन मीरजापुर के प्रांगण में पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन की मौजूदगी में मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल को गार्ड की सलामी दी गयी। तत्पश्चात पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल द्वारा मण्डलायुक्त डॉ0 मुथुकुमार स्वामी बी0, उप पुलिस महानिरीक्षक आर0पी0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन के साथ मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कर कमलों से उ0प्र0 पुलिस की अवस्थापना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु 144 निर्माण कार्यों का लोकार्पण/शिलान्यास से सम्बंधित कार्यक्रम का लाइव ब्राडकास्ट सुना गया।इस अवसर पर आज पुलिस लाइन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार के द्वारा निरंतर पुलिस व्यवस्था में सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जा रहा हैं।

मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह में 223 जोड़े हुये एक-दूजे के

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना'' के अन्तर्गत आज विकास खण्ड राबर्ट्सगंज के डायट परिसर में 223 जोड़ों का विवाह भव्य तरीके स सम्पन्न हुआ, इसमें

रावर्टसगंज ब्लॉक-76, घोरावल में-57, करमा में-16, चतरा में-50 व नगवॉ में-24 यानी कुल 223 जोड़ों की शादी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान उरमौरा राबर्ट्सगंज परिसर में धूम-धाम के साथ धार्मिक रीति-रिवाजों से शादी सम्पन्न करायी गयी, जिसमें 219 हिन्दू समाज के व 04 मुस्लिम समाज के जोड़ें शादी में शामिल रहें। शादी समारोह में सासंद पकौडी लाल जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, जिला विकास अधिकारी शेषनाथ चैहान, जिलाध्यक्ष भाजपा नन्दलाल गुप्ता व विधायक घोरावल के प्रतिनिधि सुरेन्द्र मौर्य, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारिगण सम्मलित रहे इस दौरान धार्मिक पूजा, जयमाल, सिन्दूरदान, शादी के सात फेरे कराकर शादी सम्पन्न करायी गयी शादी समारोह में भोज का भी आयोजन किया गया, शादी समारोह में बारात आयी, बारात का स्वागत किया गया, वर व वधु पक्ष के लोगों का सेवा सत्कार भी किया गया, शादी समारोह में जहां हिन्दू समाज के 219 जोड़ों का हिन्दू रीति-रिवाज से शादी सम्पन्न हुई, वहीं 04 मुस्लिम जोड़ों की शादी निकाहनामे के साथ हुईं। उन्हें सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी, शादी के वधु के 35 हजार रूपये का स्वीकृति-पत्र और 10 हजार रूपये का घर-गृहस्थी का सामान दिया गया। सामान में विभिन्न प्रकार के बर्तन का सेट, चुनरी, साड़ी शादी के लिए एक सेट, वधु के लिए तीन सेट साड़ी, 5 लीटर का प्रेशर कूकर, एक जोड़ी चांदी की पायल, चांदी की बीछिया, एक बड़ा कलश, सरकार की तरफ से दिया गया, इस प्रकार से सरकार की तरफ से प्रति जोड़ा 51 हजार रूपये का खर्च किया गया। इस मौके पर घराती व बाराती के पक्ष के जो नागरिक मौके पर पहुंचे सभी का सत्कार किया गया और लजीज पकवान भी खिलाये गये, शंख ध्वनि से शादी समारोह गणेश किया गया और पंचांग पूजन धार्मिक रीति-रिवाज से किया गया। शादी समारोह को सम्बोधित करते हुए सांसद पकौड़ी लाल कोन ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं से पात्रों को लाभान्वित किया जाये, इसके लिए योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक किया जाये, जिससे कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी की योजनाओं से वंचित न रहें।

रागिनी और पिंकी ने लिए सात फेरे, मंडप से सीधे पहुंचीं परीक्षा केंद्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। डायट परिसर

राबट्र्सगंज में बुधवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में दो ऐसी दुल्हनें भी थीं, जिनकी इंटर की बोर्ड परीक्षा थी। उन्हें समय से परीक्षा में शामिल कराने के लिए दो घंटे पहले ही शादी कराई गई। विवाह की रस्में पूरी होते ही दोनों दुल्हनें मंडप से सीधे परीक्षा केंद्र के लिए रवाना हो गई। विवाह समारोह में कुल 219 जोड़ों की शादी वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। वहीं चार मुस्लिम जोड़ों ने निकाह कबूल किया।घोरावल ब्लॉक के रघुनाथपुर (राजपुर) की रहने वाली रिंकी की शादी उभ्भा गांव निवासी कांग्रेस से तय हुई थी। दोनों ने सामूहिक विवाह के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया था। इसी बीच इंटरमीडिएट में पढ़ाई कर रही रिंकी की परीक्षा शुरू हो गई। 28 फरवरी को वह सामूहिक विवाह आयोजन स्थल पर पहुंची और बोर्ड परीक्षा के बारे में जिला समाज कल्याण अधिकारी को जानकारी दी।इस पर समाज कल्याण अधिकारी ने कार्यक्रम के तय समय से दो घंटे पहले ही अलग मंडप में रिंकी की शादी कराई। इसके बाद रिंकी को लेकर उसका पति कांग्रेस इंटर की परीक्षा दिलाने के लिए नन्हकूराम इंटरमीडिएट कॉलेज शाहगंज रवाना हुआ।

शादी का दबाव बनाया तो पहाड़ी से धकेला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के महुआंव कलां गांव में पहाड़ी पर युवती की लाश मिलने की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। शादी के लिए दबाव बनाने पर युवती के प्रेमी ने उसकी हत्या की थी। पहले उसे पहाड़ी से नीचे धकेला फिर पत्थर से सिर कूंच दिया। बुधवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।गत शनिवार को महुआंव

कलां गांव के महुअर पहाड़ी पर युवती (20) का शव मिला था। उसका पूरी तरह चेहरा खराब हो चुका था। पुलिस ने दावा किया था कि कीड़ों के काटने से शव की यह हालत हुई है। रविवार को पास के ही एक गांव निवासी व्यक्ति ने युवती की पहचान अपनी बेटी की रूप में करते हुए बताया कि वह 22 फरवरी से लापता थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वर्जुअली रूप से किया गया साइबर थाने का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। को पूर्वाह्न 11ः00 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस अवस्थापना उपस्थित सदर सिओ संजीव कटियार के नेतृत्व में जिसका लाइव प्रसारण यू-ट्यूब चैनल के साथ साथ, उदनेहसहू द ळझ् के ट्वीटर,

सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु ?2,310 करोड़ से अधिक के 144 निर्माण कार्यों का लोकार्पण/शिलान्यास तथा 75 जनपदों के 1523 पुलिस थानों में साइबर सेल, 57 जनपदों में साइबर क्राइम पुलिस थाने, 18 मंडल मुख्यालयों पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन थाने, 8 जनपदों में भ्रष्टाचार निवारण संगठन इकाई तथा प्रयागराज एवं कुशीनगर में पर्यटन थाने का शुभारंभ लोक भवन सभागार, लखनऊ से वर्जुअली माध्यम से किया गया । उसी क्रम में जनपद फोन पर पुलिस लाइन में स्थित साइबर क्राइम थाने में फेसबुक, इंस्टाग्राम एकाउन्ट पर लाइव प्रसारण किया गया । आधुनिक उपकरणों से लैस साइबर थाने में साइबर अपराध के पीड़ित ऑफलाइन व ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकेंगे। साइबर फ्रॉड की प्राथमिकी दर्ज कर टेक्नीकल एक्सपर्ट प्रशिक्षित पुलिस पदाधिकारी व तकनिकी सेल के पुलिस कर्मी साइबर अपराध के मामलों का अनुसंधान कर साइबर फ्रॉड के शिकार लोगो को न्याय दिला सकेंगे। जहां अत्याधुनिक तरीके से साइबर फ्रॉड मामलों का उद्भेदन हो सकेगा।

श्री श्याम बाबा भक्तों ने निकाली निशान यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। राबर्ट्सगंज शहर के डीआर ड्रीम्स में श्री श्याम भक्त मंडल रॉबर्ट्सगंज द्वारा आयोजित होने वाले बाबा श्याम का छठा शामिल श्याम भक्तों की भीड़ रास्ते भर भक्ति गीतों पर थिरकती रही। श्री श्याम भक्त मंडल रॉबर्ट्सगंज की ओर से निकाली गई यात्रा में महिलाओं,

वार्षिक महोत्सव से पूर्व नगर में निशान यात्रा निकाली गई। इस दौरान खाटू श्याम के गगन भेदी जयकारों से नगर गुंजायमान हो उठा।बुधवार को निशान यात्रा हनुमान मंदिर बगीची से प्रारम्भ होकर भ्रमण के पश्चात बांके बिहारी जी मंदिर रामलीला मैदान पहुंची। निशान यात्रा के दौरान भक्त खाटू श्याम के जयकारे लगा रहे थे। यात्रा में बच्चों और पुरुषों की भीड़ रही। यात्रा शुभारम्भ से पूर्व मंदिर में पं. ने पूजा अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। इस मौके पर समाजसेवी पुनीत जैन, अमित जैन, पवन जैन, राकेश गुप्ता, रवि केजरीवाल, गणेश अग्रवाल, अंकिता केजरीवाल, प्रिया जैन, रितु अग्रवाल, सोनी जैन, सिम्पल सोनी आदि मौजूद रहे।

आईवीपीएल में दिखा वीरेंद्र सहवाग का जलवा मुंबई चैंपियंस ने वीवीआईपी उत्तर प्रदेश को ८ विकेट से धोया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)। वीरेंद्र सहवाग की इंडियन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) के पहले सीजन में एंट्री हो गई है। सीजन के 11वें मुकाबले मै बुधवार को इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी पीटर ट्रेगो ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन किया। इसकी बदौलत मुंबई चैंपियंस ने वीवीआईपी उत्तर प्रदेश को 8 विकेट से मात दी। यह मुकाबला ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेला गया।वीरेंद्र सहवाग की इंडियन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) के पहले सीजन में एंट्री हो गई है। सीजन के 11वें मुकाबले मै बुधवार को इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी पीटर ट्रेगो ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन किया। इसकी बदौलत मुंबई चैंपियंस ने वीवीआईपी उत्तर प्रदेश को 8 विकेट से मात दी। यह मुकाबला ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेला गया।वीवीआईपी उत्तर प्रदेश ने इस मुकाबले में पहले खेलते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 176 रन बनाए। अंशुल कपूर ने बेहतरीन बल्लेबाजी की और 59 गेंदों पर शानदार नाबाद 87 रन ठोक दिए। इस पारी में उन्होंने 7 चौके और 4 छक्के लगाए।अंशुल के अलावा रोहित श्रीवास्तव ने 22 गेंद पर 30 और पुनीत बिष्ट ने 12 गेंद पर 26 रन का योगदान दिया। इसकी बदौलत उत्तर प्रदेश का स्कोर 170 पर पहुंचा। मुंबई के लिए पीटर ट्रेगो और अफरोज खान ने 2-2 विकेट झटके। इन दोनों के अलावा अमित सनन और विनय यादव को 1-1 सफलता मिली।177 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई चैम्पियंस को खास दिक्कत नहीं हुई और 19 ओवर में टीम ने 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अभिषेक झुनझुनवाला ने 38 गेंद पर नाबाद 69 रन ठोके, इसके अलावा पीटर ट्रेगो ने 29 गेंदों पर नाबाद 41 रन बनाए। वहीं आईवीपीएल के पहले मैच में खेलने के लिए ग्रेटर नोएडा पहुंचे वीरेंद्र सहवाग ने 23 गेंद पर 35 रन ठोके।वीवीआईपी उत्तर प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम को शुरुआत अच्छी नहीं मिली। भानु सेठ मैच की तीसरी गेंद पर ही आउट हो गए। इसके बाद पवन नेगी, सुरेश रैना और परविंदर सिंह के रूप में यूपी ने पावरप्ले के अंदर 3 विकेट और गंवा दिए। 6 ओवर में टीम का स्कोर 4 विकेट के नुकसान पर 31 रन था। पीटर ट्रेगो और अफरोज खान ने 2-2 विकेट लेकर उत्तर प्रदेश की कमर तोड़ दी।यहां से 15 ओवर तक रोहित श्रीवास्तव और दूसरे ओपनर अंशुल कपूर ने मोर्चा संभाला। दोनों ने स्कोर 15वें ओवर तक आगे बढ़ाया। 5वें विकेट के लिए रोहित और अंशुल ने 77 रन की पार्टनरशिप की। 15वें ओवर में विनय यादव ने यह साझेदारी तोड़ी।

शिखर धवन ने अपनी तूफानी पारी से खटखटाया टीम इंडिया का दरवाजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। भारत के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने बुधवार को डीवाई पाटिल टी20 कप में शानदार वापसी की। शिखर धवन ने डीवाई पाटिल ब्लू के लिए 28 गेंदों में 39 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान शिखर ने 2 छक्के और 5 चौके लगाए। वहीं, दिनेश कार्तिक ने निराश किया और वह शून्य पर आउट हुए।भारतीय टीम से बाहर चल रहे ओपनर शिखर धवन ने अपनी दमदार बल्लेबाजी के दम पर टीम इंडिया का दरवाजा फिर से खटखटाया है। डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में डीवाई पाटिल ब्लू के लिए खेलते हुए ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। शिखर ने 28 गेंद का सामना करते हुए 39 रन बनाए। हालांकि उनकी यह पारी टीम के काम नहीं आई और टीम एक रन से मैच हार गई।भारतीय टीम से बाहर चल रहे ओपनर शिखर धवन ने अपनी दमदार बल्लेबाजी के दम पर टीम इंडिया का दरवाजा फिर से खटखटाया है। डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में डीवाई पाटिल ब्लू के लिए खेलते हुए ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। शिखर ने 28 गेंद का सामना करते हुए 39 रन बनाए। हालांकि, उनकी यह पारी टीम के काम नहीं आई और टीम एक रन से मैच हार गई।तालेगांव में टाटा स्पोर्ट्स क्लब ने पहले बल्लेबाजी की करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 185 रन बनाए। चिन्मय शुगर (51) ने अपूर्व वानखेड़े (83) के साथ पांचवें विकेट के लिए 54 रन जोड़े। डीवाई पाटिल ब्लू के लिए कप्तान विपुल कृष्णन ने चार विकेट चटकाए।

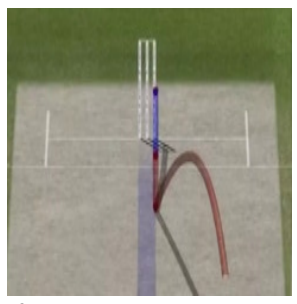

हाकआई के संस्थापक ने दी सफाई रांची टेस्ट की दूसरी पारी में जो रूट के आउट होने पर हुआ था विवाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। रांची टेस्ट के दौरान जो रूट के एलबीडब्लयू आउट होने को लेकर बड़ा विवाद हुआ था। कई पूर्व क्रिकेटरों ने डीआरएस तकनीक

की आलोचना करते हुए इसे एक खराब निणय्र बताया था। इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान रविचंद्रन अश्विन की गेंद जो रूट के पैड पर लगी, जिसके बाद भारत ने एलबीडब्लयू की अपील की लेकिन अंपायर ने इसे खारिज कर दिया।इसके बाद भारतीय टीम ने डीआरएस लिया और रिप्ले में दिखा कि गेंद का अधिकांश हिस्सा लेग स्टंप के बाहर गिरा था लेकिन डीआरएस में इसे सही पाया और निणय्र भारत के पक्ष में गया। कुछ विशेषज्ञ और प्रशंसक इससे खुश नहीं थे लेकिन अब हाकआई के संस्थापक पाल हाकिंस ने इस विवादस्पद निणय्र पर स्पष्टीकरण दिया है।इसके बाद भारतीय टीम ने डीआरएस लिया और रिप्ले में दिखा कि गेंद का अधिकांश हिस्सा लेग स्टंप के बाहर गिरा था, लेकिन डीआरएस में इसे सही पाया और निणय्र भारत के पक्ष में गया।

शुभमन गिल ने गुजरात टाइटंस के इस खिलाड़ी के पिता से की मुलाकात ऑक्शन में बेटा बना था करोड़पति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के लिए दिसंबर में हुई खिलाड़ियों की नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी रॉबिन मिंज पर पैसे की बारिश हुई थी। झारखंड के रॉबिन मिंज को गुजरात टाइटंस ने 3.6 करोड़ में खरीदा था। इस खिलाड़ी वजह से मिंज के पिता एक बार फिर सुखिर्यों में हैं।दरअसल गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने मिंज के पिता से गुजरात एयरपोर्ट पर मुलाकात की। भारतीय टीम के प्रिंस शुभमन गिल ने काफी देर तक रॉबिन मिंज के पिता से बातचीत की। मिंस के पिता ने शुभमन गिल को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने के की बधाई दी। साथ ही गुजरात टाइटंस को मिंज को खरीदने के लिए धन्यवाद दिया।दरअसल, गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने मिंज के पिता से गुजरात एयरपोर्ट पर मुलाकात की। भारतीय टीम के प्रिंस शुभमन गिल ने काफी देर तक रॉबिन मिंज के पिता से बातचीत की। मिंस के पिता ने शुभमन गिल को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने के की बधाई दी। साथ ही गुजरात टाइटंस को मिंज को खरीदने के लिए धन्यवाद दिया।शुभमन गिल भी मिंज के पिता से हाथ मिलाया और उनके बेटे के भविष्य के लिए बधाई दी। इस दौरान गिल ने उनके साथ फोटो भी खिंचवाई। बता दें कि मिंज के पिता एक रिटायर्ड सेना के जवान हैं। फिलहाल वह एयरपोर्ट सिक्योरिटी की नौकरी कर रहे हैं।गौरतलब हो कि बेबाक बल्लेबाजी करने वाले रॉबिन मिंज आईपीएल में खेलने वाले पहले आदिवासी क्रिकेटर होंगे। रॉबिन मिंज पिछले दो वर्षों से घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। रांची में सोनेट क्लब से वे खेलते हैं और पूर्व रणजी खिलाड़ी एसपी गौतम और आसिफ से वे क्रिकेट का गुर सीखते हैं।इस वर्ष मुंबई इंडियंस ने 30 खिलाड़ियों का इंग्लैंड में शिविर लगाया था। रॉबिन का खेल देखने के बाद उसे भी इस शिविर में शामिल किया गया था। नीलामी के बाद मिंज के पिता ने बताया था कि कुछ दिनों पूर्व वह महेंद्र सिंह धोनी से रांची एयरपोर्ट पर मिले थे।इस दौरान पूर्व भारतीय कप्तान ने उन्हें कहा था कि अगर नीलामी में कोई टीम रॉबिन मिंज को नहीं खरीदेगी तो चेनन्ई सुपरकिंग्स उन्हें अवश्य शामिल करेगी।

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के

मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।

नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

बीसीसीआई ने तेज गेंदबाजों के लिए बोल्ड फैसला उमरान मलिक सहित इन 5 खिलाड़ियों को दिया स्पेशल कॉन्ट्रैक्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपने सालाना केंद्रीय अनुबंध की घोषणा कर दी है। बुधवार को बीसीसीआई ने 40 क्रिकेटरों को अपना वार्षिक केंद्रीय अनुबंध दिया। यह कॉन्ट्रैक्ट 2023-24 सीजन के लिए है। टीम इंडिया के इन खिलाडि़यों को ए प्लस, ए, बी और सी चार ग्रुप में बांटा गया है। 40 खिलाडि़यों के अलावा 5 प्लेयर्स को खास कॉन्ट्रैक्ट मिला है।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपने सालाना केंद्रीय अनुबंध की घोषणा कर दी है। बुधवार को बीसीसीआई ने 40 क्रिकेटरों को अपना वार्षिक केंद्रीय अनुबंध दिया। यह कॉन्ट्रैक्ट 2023-24 सीजन के लिए है। टीम इंडिया के इन खिलाडियों को ए प्लस ए बी और सी चार ग्रुप में बांटा गया है। 40 खिलाडि़यों के अलावा 5 प्लेयर्स को खास कॉन्ट्रैक्ट मिला है।बीसीसीआई ने एक बयान में कहा कि तेज गेंदबाजी अनुबंध की सिफारिश टीम इंडिया की चयन समिति ने की थी, इसलिए ही 5 प्लेयर्स को खास कॉन्ट्रैक्ट मिला हलिस्ट में पहले नंबर पर भारतीय टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप का नाम शामिल हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ रांची टेस्ट में अपना टेस्ट डेब्यू किया। उन्होंने अपने पहले स्पैल में गेंद से कहर बरपा और 3 विकेट लेकर शानदार शुरुआत की। आकाश को तेज गेंदबाजों के लिए खास अनुबंध मिला ह लिस्ट में दूसरे नंबर पर है कर्नाटक के लिए घरेलू क्रिकेट खेल रहे विदवत कवरप्पा का नाम। कवरप्पा ने 20 प्रथम श्रेणी मैचों में 80 विकेट हैं। इसके साथ ही उन्होंने 18 लिस्ट ए मैचों में 38 विकेट लिए हैं। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में 10 विकेट लिए थे। सीजन में सिर्फ 5 मैचों में उन्होंने 25 विकेट लिए हैं।लिस्ट में तीसरे नंबर पर उमरान मलिक का नाम है, जिन्हें तेज रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए बल्लेबाजों की खबर लेते हुए देखा जाता है। उमरान 155 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी की। हालांकि, उमरान इस वक्त टीम से बाहर चल रहे हैं। उमरान के नाम 18 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 24 विकेट चटकाए हैं।लिस्ट में चौथे नंबर पर है कर्नाटक के तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख का नाम, जिन्हें बीसीसीआई ने तेज गेंदबाजी अनुबंध में शामिल किया है। विजयकुमार ने अब तक 20 प्रथम श्रेणी मैचों में 86 विकेट झटके हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की कप्तान स्मृति मंधाना ने बनाई विराट कोहली की ड्राइंग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की कप्तान स्मृति मंधाना ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की मजेदार ड्राइंग की, जिसे देखकर आप अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे। आरसीबी का यूट्यूब पर पोडकास्ट रिलीज हुआ, जिसमें पिक्शनरी के तहत मंधाना ने यह ड्राइंग बनाई।रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की कप्तान स्मृति मंधाना ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की मजेदार ड्राइंग की जिसे देखकर आप अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे। आरसीबी का यूट्यूब पर पोडकास्ट रिलीज हुआ जिसमें पिक्शनरी के तहत मंधाना ने यह ड्राइंग बनाई। स्मृति मंधाना ने ड्रॉइंग बनाने के बाद विराट कोहली से माफी मांगी। आरसीबी के पूर्व कप्तान इस समय ब्रेक पर हैं।हेड टू हेड गेम के दौरान स्मृति मंधाना को विराट कोहली की ड्राइंग बनानी थी। मंधाना ने अपने प्रतिस्पर्धी मिस्टर नेग्स (दानिश सैत) को क्राउन बनाकर दिखाया, जिसे प्रेजेंटर कम कमेडियन नहीं पहचान सके। फिर मंधाना ने कार्टून कैरेक्टर ड्रॉ किया।जब दाढ़ी के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि लुक पूरा करने के लिए यह जोड़ा है। दोनों ने फिर ड्रॉइंग के साथ फोटो खिंचवाया और आरसीबी की कप्तान अपनी हंसी नहीं रोक पाई। मंधाना ने कोहली और नैग?स से अपनी ड्रॉइंग शैली के बारे में माफी मांगी। मंधाना ने कहा, ''सॉरी''। इस पर नेग्स ने जवाब दिया, ''नहीं, ये अच्छा है।''रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने विमेंस प्रीमियर लीग 2024 में अब तक शानदार प्रदर्शन किया और वो प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर काबिज हैं। स्मृति मंधाना के नेतृत्व वाली आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल 2024 के अपने पहले मैच में यूपी वॉरियर्स को 2 रन से मात दी। इसके बाद आरसीबी ने गुजरात जायंट्स को एकतरफा मुकाबले में 8 विकेट से रौंदा।आरसीबी की टीम गुरुवार को अपना तीसरा मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बेंगलुरु के एन चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी। स्मृति मंधाना की कोशिश अपनी टीम को जीत की हैट्रिक लगाकर शीर्ष स्थान पर बरकरार रहने की होगी।

जिनको भूख नहीं रोहित शर्मा के बयान से मची भारतीय क्रिकेट में खलबली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। दुनिया भर में टी20 फ्रेंचाइजी लीग के शुरू होने से क्लब बनाम राष्ट्रीय टीम की बहस ने कई क्रिकेट खेलने वाले देशों को प्रभावित किया है। बीसीसीआई ने पिछले दिनों इसका तोड़ निकाला। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि राष्ट्रीय टीम में जगह पाने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना जरूरी है। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद रोहित शर्मा ने भी इसका समथर्न किया।रांची में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 3-1 से बढ़त बनाने के बाद रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बड़ी बात कही थी। रोहित ने आईपीएल बनाम घरेलू क्रिकेट के सवाल पर तगड़ा जवाब दिया। रोहित शर्मा ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में अवसर केवल उन लोगों को मौके दिए जाएंगे जो इस प्रारूप में खेलने के लिए भूख दिखाएंगेरांची में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 3-1 से बढ़त बनाने के बाद रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बड़ी बात कही थी। रोहित ने आईपीएल बनाम घरेलू क्रिकेट के सवाल पर तगड़ा जवाब दिया। रोहित शर्मा ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में अवसर केवल उन लोगों को मौके दिए जाएंगे जो इस प्रारूप में खेलने के लिए भूख दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि जो लोग बाहर हैं उन्हें भी यह पता है कि बिना भूख के आप अपनी जगह नहीं बना सकते।गौरतलब हो कि रोहित ने जिस भूख की बात की थी वह यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, आकाश दीप जैसे युवा खिलाडि़यों दिखी। सीनियर खिलाडि़यों की अनुपस्थिति में इन खिलाडि़यों ने मौके का उपयोग किया और अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाई। यही नहीं बीसीसीआई ने उन्हें तोहफा दिया है। बुधवार को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट जारी की। इसमें इन युवा खिलाडि़यों को शामिल किया।

1983 वर्ल्ड कप किसने जीता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जवाब से हिल जाएगा दिमाग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चर्चा जोरो पर है।की मदद से लोग क्रिएटिव काम कर रहे हैं। हालांकि, इसका एक दूसरा पहलू भी देखने को मिला है। अक्सर यह कुछ मामलों में गलत जानकारी दे रहा है। ऐसा ही एक मामला तब सामने आया जब, एआई से पूछा गया कि 1983 का वर्ल्ड कप किसने जीता इस सवाल के जबाव में जो उत्तर मिला वह हैरान करने वाला था।दरअसल फरवरी 2024 को भारत में कृत्रिम चैटबॉट का बीटा लॉन्च किया गया। अब इस कृत्रिम टूल का एक गलत उत्तर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जब एआई से पूछा गया कि 1983 का वर्ल्ड कप किसने जीता तो कृत्रिम टूल ने गलत जवाब देकर सभी को हैरान कर दिया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स इसका स्क्रीन शॉट शेयर कर रहे हैं।दरअसल, फरवरी 2024 को भारत में कृत्रिम नामर्कबॉट का बीटा लॉन्च किया गया। अब इस कृत्रिम टूल का एक गलत उत्तर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जब एआई से पूछा गया कि 1983 का वर्ल्ड कप किसने जीता तो कृत्रिम टूल ने गलत जवाब देकर सभी को हैरान कर दिया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स इसका स्क्रीन शॉट शेयर कर रहे हैं।बता दें कि भारत ने 1983 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में दो बार की विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज को हराकर इतिहास रचा था।

बीसीसीआई ने किया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का एलान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। बीसीसीआइ ने बुधवार को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का एलान कर दिया। बीसीसीआई द्वारा जारी खिलाडि़यों का रिटेनरशिप 1 अक्टूबर 2023 से 30 सितंबर 2024 तक के लिए मान्य रहेगा। ग्रेड ए प्लस की श्रेणी में मात्र चार खिलाडि़यों को जगह दी गई। वहीं, युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल को ग्रेड बी में शामिल किया गया दिया गया है। वहीं युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल की लॉटरी लग गई है। उन्हें ग्रेड बी में शामिल कर किया है।बीसीसीआई ने वार्षिक खिलाड़ी रिटेनरशिप 2023-24 की घोषणा की कर दी है। इसमें कई युवा खिलाडि़यों की किस्मत खुल गई है। वहीं, बीसीसीआई के नियमों की अनदेखी करने के चलते श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को

है।बीसीसीआई ने वार्षिक खिलाड़ी रिटेनरशिप 2023-24 की घोषणा की कर दी है। इसमें कई युवा खिलाडि़यों की किस्मत खुल गई है। वहीं बीसीसीआई के नियमों की अनदेखी करने के चलते श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्स से बाहर कर सेंट्रल कॉन्ट्रैक्स से बाहर कर दिया गया है।रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, शार्दुल ठाकुर, शिवम दुबे, रवि बिशनेई, जितेश शर्मा, वॉशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, केएस भरत, प्रसिद्ध कृष्णा, अवेश खान और रजत पाटीदार।

सम्पादकीय

मुछआरा समुदाय के गीतों में बसता है पंछियों का संसार

इस लेख में इस 'कोलीगीत' के माध्यम से स्थानीय पक्षियों और पौधों की प्रजातियों का विशेष उल्लेख किया गया है। जैसे-जैसे समय बदलता है, वैसे-वैसे आसपास की प्रकृति और मानव जीवन शैली भी बदलती है। मछुआरा समाज एक मानव समूह है जिसकी जीवन यात्रा समुद्र की लहरों पर सवार होकर चल रही है। महाराष्ट्र को लगभग सात सौ-बीस किलोमीटर की तटरेखा का आशीर्वाद प्राप्त है, जिसके किनारों पर मुख्य रूप से 'कोली' समुदाय पीढ़ियों से रह रहा है, जो मछली पकड़ने के माध्यम से अपनी आजीविका कमा रहा है।प्रकृति पूरक जीवन शैली और सहजता इस समाज की विशेषता है, इसीलिए समाज की परम्परागत 'कोलीगीते' चाहे वह विवाह हो, जन्मदिन हो, उत्सव हो, विभिन्न धार्मिक समारोह हों या सामाजिक जागरूकता की अवधारणा, उनके जीवन की अभिव्यक्ति के प्रभावी साधन हैं।इस लेख में इस 'कोलीगीत' के माध्यम से स्थानीय पक्षियों और पौधों की प्रजातियों का विशेष उल्लेख किया गया है। जैसे-जैसे समय बदलता है, वैसे-वैसे आसपास की प्रकृति और मानव जीवन शैली भी बदलती है। यदि हम अतीत के कोलीगीत और वर्तमान के कोलीगीत का पता लगाएं तो हम निश्चित रूप से पक्षियों विविधता और बदलती प्रकृति को समझ पाएंगे। कौवा, मोर, मुर्गा और कोयल ऐसे पक्षी हैं जिनका उपयोग अक्सर कोलीगीत में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है। इनमें से 'कोम्बडा याने मुर्गा' इसलिए खास है क्योंकि यह इस मछुआरा समुदाय की आराध्य देवी 'एकवीरा देवी' हैं जो लोनावाला के कार्ले गांव में एक पहाड़ी पर वह मुर्गे पर विराजमान हैं।'आई माझी कोणाला पावली गो आई माझी कोणाला पावली आई माझी कोंबर्यावर बैसली गो आई माझी कोंबर्यावर बैसली' शाहीर साबले द्वारा गाया गया यह कोलीगीत देवी एकवीरा और उनके वाहन कोम्बडा की महिमा करता है। एक नायक की मां के रूप में 'एकवीरा' यहां भगवान परशुराम और उस मछुआरे के बीच के संबंध को बताती है जिसने समुद्र को काटकर कोंकण की भूमि बनाई थी। शाहिर विठ्ठल उमप द्वारा रचित यह कोलीगीत हमारे सामने कोली मछली पकड़ने वाले समुदाय की बिक्री कौशल और प्रबंधन के पारंपरिक ज्ञान के अंतर्संबंध को व्यक्त करता है। घेऊनशी जा रं ताजा ताजा दादा ताजा ताजा चिकना चिकना म्हावरा माझा इस्वास ठेव रं सांगतंय् नक्की याचे पुरती कोंबकों री फिका अंगानं जोर येईल कामकाजा दादा कामकाजा चिकना चिकना म्हावरा माझ' बालकराम वर्लिकर द्वारा गाए गए एक प्रसिद्ध कोली गीत में गंगा-जमुना नदियों, आम, जय, जुई जैसे पौधों और प्रतीकात्मक 'मोर' पक्षी का उल्लेख है, जिसके माध्यम से कवि मछुआरा समाज और उसके 'दहेज विरोधी' प्रगतिशील विचार की व्याख्या करता है। 'गंगा-जमुना दोघ्या बयनी गो पानी झुलझुल व्हाय दर्याकिनारी एक बंगला गो पानी जाय-जुई-जाय आंब्याच्या डांगलीवर बसलाय् मोर, नवरीचा बापुस कवटं चोर करवल्या खुइताना आंब्याच्या डांगल्या म्हायेरा जावालं सांजवलं आंब्याची डांगली हलविली नवर्याने नवरीला पलविली' पांडुरंग अगवाने की मधुर संगत वाला एक कोली गीत 'माझा कोंबडा' है जो बढ़ती महंगाई और भारतीय संस्कृति को भूलकर पश्चिमी तरीकों को अपनाने वाले युवाओं का वर्णन करता है। 'माझा कोंबरा कोणी मारिला माझ्या कोबर्याची बांग आणि आजकाल सगळंच झालं महाग ' एक हालिया कोली गीत सुजीत पाटिल द्वारा लिखित 'कुहू कुहू कोयल दनाणली आई तुझ्या डोंगरावर' है जिसमें बदलते पर्यटन, मुंबई-पुणे राजमार्ग और पेड़ों का उल्लेख है, वहीं, शांताराम नंदगांवकर और अनंत पाटिल द्वारा रचित कोली गीत 'माझ्या दारावर मोरयो आयलो मोर मला बोलावतो' एक लड़की की अपनी मां और सुंदर प्रकृति के साथ एक सुंदर तस्वीर प्रस्तुत करता है। दामोदर विटेकर द्वारा रचित और मधुकर पाठक द्वारा संगीतबद्ध, 'कावळा पिपेरी वाजवतो' अपने समय से बहुत आगे थी, जिसमें दहेज प्रथा का विरोध, धन की योजना बनाना और नशे से मुक्ति का कड़ा संदेश बड़े ही मजाकिया अंदाज में पेश किया गया। 'कावळा पिपेरी वाजवतो मामा मामीला नाचवतो लग्नाचा थाट तुम्ही कमी करा हुंड्याची चाल आता बंद करा कपड्याची फॅशन आवरा जरा सुखाचा संसार आपला करा' इस रूप में कई कोली गीत हैं जो पारंपरिक रूप से विवाह समारोहों के दौरान गाए जाते हैं जिनमें कबूतर, कौवे, बगुले, तितलियां, कुछ विशेष समुद्री पक्षी 'केगई' का वर्णन होता है। प्रदीप नामदेव चोगले वर्तमान में डब्ल्यूसीएस-इंडिया में समुद्री कछुओं, मत्स्य पालन, व्हेल, डॉल्फ़िन और समुद्री पक्षियों पर शोध कर रहे हैं। शोध की केंद्रीय भूमिका मछली पकड़ने के दौरान समुद्री जानवरों (समुद्री कछुए और डॉल्फ़िन) को जाल में फंसने से रोकना और उनकी सुरक्षा से संबंधित है।

राम मंदिर के गर्भगृह में दिखा अद्भुत दृश्य सोशल मीडिया पर तस्वीर हुआ वायरल

मंदिर के गर्भगृह में पक्षी का पहुंचना चमत्कार माना जा रहा है और लोगों ने इस चमत्कार को अपनी आंखों से देखा। लोगों का मानना है कि यह पक्षी कोई और नहीं, बल्कि पक्षियों के राजा गरुड़ देव हैं, जो अपने प्रभु श्री राम का दर्शन करने आए हैं।अयोध्या में 22 जनवरी को बनए भव्य मंदिर में भगवान प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। थी, लेकिन मूर्ति को जब गर्भगृह में प्रवेश कराया गया, तो उसकी आभा ही बदल गई। मैंने भी इसे महसूस किया। उका कहना है कि मैंने गर्भगृह में अपने साथ मौजूद लोगों को भी इस बारे में बताया था कि यह दैवीय चमत्कार है या कुछ और, लेकिन मूर्ति में बदलाव हो गया था। अब राम मंदिर में कुछ ऐसा हुआ जिसे लोग चमत्कार बता रहे हैं।

प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद कई ऐसी बाते सामने आईं, जो किसी चमत्कार से कम नहीं हैं। प्राण प्रतिष्ठा के बाद भगवान राम की प्रतिमा की आंखें बोलने लगीं। रामलला की प्रतिमा बनाने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज ने खुद इस चमत्कार की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मैंने जो मूर्ति बनाई, गर्भगृह के अंदर जाकर उसके भाव बदल गए और आंखें बोलने लगीं। अरुण योगी राज ने बताया कि गर्भगृह के बाहर मूर्ति की छवि अलग दरअसल, भगवान राम के मंदिर के गर्भगृह में एक पक्षी पहुंच गया और भगवान राम की मूर्ति की परिक्रमा करने लगा।मंदिर के गर्भगृह में पक्षी का पहुंचना चमत्कार माना जा रहा है और लोगों ने इस चमत्कार को अपनी आंखों से देखा। लोगों का मानना है कि यह पक्षी कोई और नहीं, बल्कि पक्षियों के राजा गरुड़ देव हैं, जो अपने प्रभु श्री राम का दर्शन करने आए हैं। लोगों ने इस नजारे को मोबाइल में कैद कर लिया।

डिजिटलीकरण के इस दौर में चुनौती बन रहे हैं वैश्वक बदलाव, जटिल होती गई है हदबंदी

वृहत राजकोषीय स्थिरता बनाए रखने और घरेलू क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले प्रणालीगत जोखिमों को कम करने के लिए 2022-23 की चौथी तिमाही में देखी गई बचत में वृद्धि को समय के साथ बनाए रखने और बढ़ाने की भी जरूरत है। खासकर जब घरेलू देनदारियां बढ़ रही हों, तब इस क्षेत्र में भविष्य के वित्तीय जोखिमों के संबंध में सक्रिय उपाय और निरंतर निगरानी बेहद महत्वपूर्ण है।वित्तमंत्री की अध्यक्षता में हाल ही में वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की बैठक हुई। यह परिषद की 28वीं बैठक थी। उल्लेखनीय है कि वित्तीय स्थिरता बनाए रखने, अंतर-नियामक समन्वय बढ़ाने और वित्तीय क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने की व्यवस्था को मजबूत और संस्थागत बनाने के लिए एफएसडीसी का गठन 2010 में एक शीर्ष निकाय के रूप में किया गया था। वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति का उच्च स्तर पर बने रहना, कमजोर वैश्विक मांग और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। ऐसे में परिषद के विचार-विमर्श को बढ़ती वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, ब्रिटेन, जापान व कुछ अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में दस्तक देती मंदी के संदर्भ में ही देखा जाना चाहिए। बढ़ते वैश्विक कर्ज और वित्तीय बचत में गिरावट वाले परिदृश्य में वित्तीय स्थिरता संबंधी मुद्दे गंभीर रूप से महत्वपूर्ण हो गए हैं। भारत के लिए भी कुछ चिंताएं अवश्य हैं, क्योंकि यहां का कर्ज-जीडीपी अनुपात, जो कोविड के दौरान अपने शिखर पर था, तेजी से गिरा जरूर है, लेकिन अब भी यह कोविड से पहले के समय की तुलना में ज्यादा है।वृहत राजकोषीय स्थिरता पर नजर रखना एफएसडीसी के प्रमुख कार्यों में से एक है। ऐसे में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 28 दिसंबर, 2023 को प्रकाशित वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट (एफएसआर) के प्रमुख निष्कर्षों का उल्लेख भी जरूरी है। एफएसआर दरअसल एफएसडीसी की एक उप-समिति की रिपोर्ट है, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय बैंक के गवर्नर करते हैं। एफएसआर के जो निष्कर्ष होते हैं, वे दरअसल वित्तीय स्थिरता के जोखिमों और भारतीय वित्तीय प्रणाली के लचीलेपन पर एफएसडीसी की उप-समिति के सामूहिक मूल्यांकन को ही प्रकट करते हैं। उप-समिति का कहना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी वृद्धि के खतरे, बढ़ते सार्वजनिक कर्ज, बढ़ते आर्थिक विखंडन और लंबे खिंचते भू-राजनीतिक संघर्षों जैसी कई चुनौतियों का सामना कर रही है। रिपोर्ट में इस पर भी प्रकाश डाला गया कि घरेलू नियामक उपाय वित्तीय प्रणाली के प्रणालीगत जोखिमों को कम करते हुए किस प्रकार से ग्राहक सुरक्षा, सुरक्षित डिजिटलीकरण और वित्त के विस्तार जैसी दूसरी चीजों में सुधार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वृहत राजकोषीय जोखिम विश्लेषण पर एफएसआर की रिपोर्ट कहती है कि भारत में वित्तीय बचत में गिरावट के साथ-साथ परिवारों की वित्तीय देनदारियों में तेज बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार 2021-22 और 2022-23 के बीच जीडीपी अनुपात में वित्तीय देनदारियां 3.8 से लेकर 5.8 फीसदी तक पहुंच गईं। हालांकि रिपोर्ट में यह भी देखा गया कि शुद्ध घरेलू वित्तीय बचत 2022-23 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद का सात फीसदी हो गई, जो पिछली तिमाही में जीडीपी का चार फीसदी थी। एफएसडीसी के हालिया विचार-विमर्श को एफएसआर के निष्कर्षों के सामने रखकर ही देखना चाहिए।वृहत राजकोषीय स्थिरता बनाए रखने और घरेलू क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले प्रणालीगत जोखिमों को कम करने के लिए 2022-23 की चौथी तिमाही में देखी गई बचत में वृद्धि को समय के साथ बनाए रखने और बढ़ाने की भी जरूरत है। खासकर जब घरेलू देनदारियां बढ़ रही हों, तब इस क्षेत्र में भविष्य के वित्तीय जोखिमों के संबंध में सक्रिय उपाय और निरंतर निगरानी बेहद महत्वपूर्ण है। चूंकि घरेलू बचतें निजी क्षेत्र में निवेश के लिए वित्त का प्रमुख स्रोत हैं, और समग्र सरकारी उधार कार्यक्रम का आधार भी हैं, इसलिए भारत के समग्र व्यापक आर्थिक प्रदर्शन में इनकी भूमिका पर जरूरत से ज्यादा जोर नहीं दिया जा सकता। निजी क्षेत्र को ज्यादा संसाधन उपलब्ध कराने के लिए राजकोषीय सुदृढ़ीकरण पर ज्यादा ध्यान देना होगा, खासकर जब घरेलू वित्तीय बचत में गिरावट दिख रही हो। राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के लिहाज से अंतरिम बजट 2024-25 के आंकड़े उत्साहवर्धक हैं। हालांकि सरकारी कर्ज में निरंतर कमी सार्वजनिक क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले राजकोषीय जोखिमों को कम करने में प्रमुख भूमिका निभाएगी।एफएसडीसी की बैठक में व्यापक राजकोषीय जोखिमों पर निरंतर निगरानी की जरूरत के अलावा समावेशी आर्थिक विकास का समर्थन करने के लिए वित्तीय क्षेत्र के अंतर-नियामक समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। परिषद ने वित्तीय क्षेत्र के नियामकों से ऑनलाइन ऐप के जरिये अनधिकृत कर्ज लिए जाने के प्रसार पर नियंत्रण करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने को भी कहा। परिषद ने सामाजिक स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से सामाजिक उद्यमों द्वारा धन जुटाने की शुरुआत करने का भी फैसला किया। 'सामाजिक स्टॉक एक्सचेंज' दरअसल सेबी के विनियमन के तहत इलेक्ट्रॉनिक फंड जुटाने वाला एक मंच है। समावेशी विकास और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए 2019-20 के बजट में इसकी घोषणा की गई थी। सामाजिक स्टॉक एक्सचेंज का विचार सामाजिक कल्याण की दिशा में काम कर रहे सामाजिक उद्यमों व स्वैच्छिक संगठनों को सूचीबद्ध करता है, ताकि वे इक्विटी, कर्ज या म्यूचुअल फंड जैसी इकाइयों के रूप में पूंजी जुटा सकें।निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि तेजी से बदलती वैश्विक आर्थिक व्यवस्था और बढ़ते डिजिटलीकरण के दौर में वित्तीय विनियमन कुछ साल पहले की तुलना में ज्यादा जटिल हो गया है। ऐसे में, विनियामक उपायों को विकसित करने के लिए जरूरी है कि तेजी से बदलती सीमाहीन वित्तीय दुनिया से भारतीय वित्तीय क्षेत्र खुद को बचाए। आज वैश्विक आर्थिक परिदृश्य क्रिप्टो-परिसंपत्तियों, साइबर जोखिमों और उभरती तकनीकों जैसे कई विकासों से गुजर रहा है, जो एफएसआर की रिपोर्ट में उल्लिखित भी हैं। वर्तमान समय में तमाम सुरक्षा उपायों पर ध्यान देते हुए डिजिटलीकरण और वित्तीय समावेशन पर केंद्रीय बैंक का फोकस बना हुआ है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भारतीय वित्तीय क्षेत्र गहरा और विस्तृत हो रहा है।

व्यावहारिक धरातल पर उपेक्षित है आधी आबादी के घरेलू श्रम का मूल्यांकन

यह विडंबना ही है कि घर-परिवार से जुड़े दायित्वों के निर्वहन में जीवन खपा देने वाली स्त्रियों की भूमिका को मान देने की सोच हमारे समाज में आज भी नदारद है। मौद्रिक आकलन को आधार मानने वाला समाज यह समझने की कोशिश ही नहीं करता कि यह भागीदारी अनमोल है। बच्चों की परवरिश हो या बुजुर्गों की देखभाल, संबंधों को सींचने का पहलू हो या अपनों को भावनात्मक संबल देने का पक्ष मूल्य चुकाकर ऐसे दायित्व को निभाने की जिम्मेदारी किसी को नहीं दी जा सकती। बावजूद इसके, हमारे यहां घरेलू महिलाओं के योगदान की अनदेखी की जाती है। यहां तक कि सरकारी नीतियों और योजनाओं में भी गृहिणियों के लिए कहीं कोई विशेष प्रावधान नजर नहीं आता।पिछले वर्ष केरल उच्च न्यायालय ने भी केरल राज्य सड़क परिवहन निगम को फटकार लगाई थी, क्योंकि उसने पीड़िता के गृहिणी होने के आधार पर मुआवजा देने से इन्कार कर दिया था। निगम ने तर्क दिया था कि गृहिणी होने के चलते वह कोई पैसा नहीं कमाती, इसलिए वह विकलांगता और अन्य मुआवजे के लिए पात्र नहीं है। न्यायालय ने इस तर्क को अपमानजनक बताते हुए कहा था कि हादसे के लिए मुआवजा एक गृहिणी और कामकाजी महिला के लिए समान होना चाहिए। गृहिणी भी अपने परिवार को पूरा समय देती है। इस मामले में अदालत ने गृहिणी

कम आंका था। पीड़ित परिवार द्वारा ट्रिब्यूनल के निर्णय को चुनौती देती याचिका को उत्तराखंड उच्च न्यायालय में यह कहते हुए निरस्त कर दिया गया था कि महिला गृहिणी थी, इसलिए मुआवजा जीवन प्रत्याशा और न्यूनतम अनुमानित आय पर तय किया गया था। ट्रिब्यूनल ने दुर्घटना में जान गंवाने वाली गृहिणी की अनुमानित आय को दिहाड़ी मजदूर से भी कम माना।यह विडंबना ही है कि घर-परिवार से जुड़े दायित्वों के निर्वहन में जीवन खपा देने वाली स्त्रियों की भूमिका को मान देने की सोच हमारे समाज में आज भी नदारद है। मौद्रिक आकलन को आधार मानने वाला समाज यह समझने की कोशिश ही नहीं करता कि यह भागीदारी को राष्ट्र निर्माता बताते हुए बेहतर मुआवजा देने का आदेश दिया था। वर्ष 2020 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी एक महत्वपूर्ण आदेश में महिला की सड़क दुर्घटना में मौत हो जाने के मामले में उसके परिजनों को मुआवजा देने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट द्वारा मोटर एक्सीडेंट ट्रिब्यूनल के उस आदेश को खारिज कर दिया गया था, जिसमें महिला के परिजनों को उसके गृहिणी होने की वजह से मुआवजा देने से इन्कार किया गया था।आखिर क्यों घरेलू मोर्चे पर सब कुछ संभालने के बावजूद इन महिलाओं की भूमिका को अनदेखा किया जाता है? देखा जाए, तो गृहिणियों का काम वास्तव में हमारी पारिवारिक-सामाजिक व्यवस्था का आधार है।

नागरिकों में वैज्ञानिक सोच और मानसिकता को बढ़ाने की जरूरत

भारत में वर्ष 1986 से ही हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस अर्थात नेशनल साइंस डे मनाया जा रहा है परंतु ऐसा नहीं है कि 28 फरवरी को उनका जन्म दिवस था कई लोगों को ऐसा लगता होगा परंतु ऐसा नहीं है सर सी वी रमन का पूरा नाम चंद्रशेखर वेंकटरमन था ।जब भी हमने प्रयोगों नई खोज और नए अविष्कार की बात करते हैं तो हमारा ध्यान अक्सर विदेश की ओर जाता है यह हम भारतीयों का एक स्वभाव बन चुका है परंतु हमारे देश में भी ऐसे महान वैज्ञानिक हुए हैं जिनके ज्ञान का डंका पूरे विश्व में बजा है जिन्हें पूरा विश्व सलाम करता है ऐसे ही हैं एक महान वैज्ञानिक सर सी वी रमन। भारत में वर्ष 1986 से ही हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस अर्थात नेशनल साइंस डे मनाया जा रहा है परंतु ऐसा नहीं है कि 28 फरवरी को उनका जन्म दिवस था कई लोगों को ऐसा लगता होगा परंतु ऐसा नहीं है सर सी वी रमन का पूरा नाम चंद्रशेखर वेंकटरमन था । 1928 में कोलकाता जो कि 1911 से पहले तक भारत की राजधानी रही वहां पर एक बहुत उत्कृष्ट खोज की जिसने पूरी दुनिया रमन इफेक्ट के नाम से जानती है परंतु यह खोज पूरे विश्व के सामने 28 फरवरी 1930 को आई थी इसी कारण 28 फरवरी को उनके सम्मान में विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है।राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जाता है। इस दिवस के इतिहास की ओर नजर डालें तो पता चलता है कि भारत में पहला राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आधिकारिक उत्सव 28 फरवरी 1987 को आयोजित किया गया था। 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाने की सिफारिश राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद की सिफारिश पर भारत सरकार ने किया था। तब से यह देश में शैक्षणिक और वैज्ञानिकों के बीच एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम बना। जिसका मुख्य उद्देश्य आम जनता के बीच वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना था।राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आम जनमानस में वैज्ञानिक स्वभाव को भी बढ़ावा देता है जिसके कारण यह दिवस यह हमारे संविधान के अनुच्छेद 51अ में निहित मौलिक कर्तव्य को लागू करने में भी मदद करता है। प्रत्येक वर्ष का एक निश्चित थीम होता है वर्ष 2020 का थीम था विज्ञान में महिलाएं, वर्ष 2019 में लोगों को विज्ञान से और विज्ञान को लोगों से जोड़ने के लिए एक अनोखा थीम रखा गया विज्ञान के लिए जन और जन विज्ञान के लिए विज्ञान सर सी.वी.रमन का जन्म 7 नवंबर 1988 को मद्रास प्रेसिडेंसी के तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में हुआ था इनके पिता गणित और भौतिकी के प्राध्यापक थे तो वहीं उनकी माता का नाम पार्वती कम्मल था! सन उन्नीस सौ छह में सी.वी रमन ने अपना पहला शोध पत्र प्रकाश विवर्तन पर प्रस्तुत किया जो लंदन की फिलोसॉफिकल पत्रिका में प्रकाशित भी हुआ था।सीवी रमन के अद्भुत और महान काम के लिए जिसने विज्ञान की दिशा ही बदल दी उसके कारण उन्हें विश्व का सबसे बड़ा पुरस्कार नोबेल पुरस्कार दिया गया वह यह पुरस्कार पाने वाले प्रथम भारतीय ही नहीं बल्कि प्रथम एशियाई व्यक्ति थे।अब आइए बात करते हैं रमन इफेक्ट की दरअसल सी वी रमन ने ही पहली बार बताया था कि आसमान और पानी का रंग नीला क्यों होता है ?दरअसल वे एक बार 1921 में जहाज से ब्रिटेन जा रहे थे जहाज की डेट से उन्होंने समुद्र के नीले रंग को देखा वहीं से उनके मन में जिज्ञासा उत्पन्न हुई और रमन इफेक्ट कहता है कि जब प्रकाश किसी पारदर्शी पदार्थ से गुजरता है तो उस दौरान प्रकाश की तरंग धैर्य में बदलाव आता है यानी जब प्रकाश की तरंग एक द्रव्य से निकलती है तो प्रकाश तरंग का कुछ भाग ऐसी दिशा की ओर फैल जाता है जो आने वाले प्रकाश तरंग की दिशा से भिन्न होता है मिशन चंद्रयान के दौरान चांद पर पानी मिलने के पीछे भी रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी का ही योगदान था केमिकल्स के एटॉमिक स्ट्रक्चर के अध्ययन में रमन प्रभाव बहुत ही उपयोगी है।रमन प्रभाव रमन स्पेक्ट्रोस्कॉपी का आधार बनता है जिसे वर्तमान समय में, सर्वाधिक उपयोग रसायनज्ञों और भौतिकविदों द्वारा विविध तरह की सामग्रियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए किया जाता है। और स्पेक्ट्रोस्कॉपी किसी पदार्थ और विद्युत चुंबकीय विकिरण के बीच होने वाली परस्पर क्रिया का अध्ययन होता है। सर सीवी रमन को विश्व भर में विभिन्न पुरस्कारों और सम्मान से नवाजा गया। 1954 में इन्हें भारत का सबसे बड़ा पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया गया। भारत रत्न की स्थापना 2 जनवरी 1954 को तत्कालीन राष्ट्रपति श्री राजेंद्र प्रसाद के द्वारा की गई थी।संयोग देखिए कि सर सी वी रमन जहां 1930 में नोबेल पाने वाले प्रथम भारतीय तथा प्रथम एशियाई बने वहीं 1954 पहला भारत रत्न का सम्मान भी इन्हें ही प्राप्त हुआ।वैसे प्रथम भारत रत्न तीन लोगों को एक साथ दिया गया था। जिनमें प्रथम उपराष्ट्रपति तथा द्वितीय राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन तथा स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी जो मद्रास के मुख्यमंत्री तथा बंगाल के प्रथम राज्यपाल भी रह चुके थे और तीसरे सीवी रमन रहे।वर्ष 2024 में भारत रत्न पुरस्कार की घोषणा भी बहुत रोचक रही क्योंकि इस बार इस वर्ष पहली बार पांच लोगों को भारत रत्न देने की घोषणा की गई है जिनमें भारत के तीसरे उप प्रधानमंत्री तथा उत्तर प्रदेश के पांचवें मुख्यमंत्री तथा भारत के पांचवें प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, आंध्र प्रदेश के चौथे मुख्यमंत्री तथा भारत के सातवें प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव जिन्हें भारत में आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत की तथा जिन्हें भारतीय आर्थिक सुधारो का जनक भी कहा जाता है तथा हरित क्रांति के जनक के रूप में जाने जाने वाले एमएस स्वामीनाथन, बिहार के दूसरे उपमुख्यमंत्री तथा दो बार मुख्यमंत्री रह चुके, जननायक के रूप में प्रसिद्ध कर्पूरी ठाकुर और भारत के सातवें उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी शामिल है।सर सीवी रमन को 1957 में लेनिन शांति पुरस्कार भी दिया गया। लेनिन शांति पुरस्कार व्लादीमीर लेनिन के सम्मान में स्थापित किया गया था। जिसे पहले अंतरराष्ट्रीय स्टालिन पुरस्कार के नाम से जाना जाता था। इस पुरस्कार की स्थापना 21 दिसंबर 1949 को जोसेफ स्टालिन के 71वें जन्म दिवस पर किया गया था। रोचक बात यह है कि लेनिन शांति पुरस्कार को नोबेल पुरस्कार के विकल्प के रूप में दुनिया के सामने सोवियत संघ द्वारा लाया गया था।प्रत्येक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विज्ञान दिवस की जो थीम होती है उसे हर बार रोचक और नया रखा जाता है जो सालों साल तक लोगों को याद रहते हैं। जैसे वर्ष 2021 का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर जो थीम रखी गई थी वो विज्ञान प्रौद्योगिकी नवाचार का भविष्य शिक्षा कौशल एवं कार्य पर प्रभाव था ।यह थीम इस बात की और हमें ध्यान दिलाती है कि अब पूरा विश्व चौथी औद्योगिक क्रांति में किस तरह के नए कौशल की मांग कर रही है इतिहास की ओर देखें तो पहली क्रांति को हम भाप इंजन और कारखानों की स्थापना से शुरु करते हैं

संक्षिप्त समाचार

चुनाव से पहले बाइडन का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

वाशिंगटन। 2024 व्हाइट हाउस ने बाइडन के स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी साझा की है। डाक्टरों का हवाला देते हुए कहा गया है कि वह अपने कार्य के लिए पूरी तरह फिट हैं और सभी जिम्मेदारियों को पूरी तरह से निष्पादित कर रहे हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति के चिकित्सक डा. केविन ओ कानर ने कहा कि वह अब भी ड्यूटी के लिए फिट हैं। वाल्टर रीड राष्ट्रीय सैन्य चिकित्सा केंद्र से चेकअप कराकर लौटने के बाद उन्होंने हंसते हुए कहा कि डाक्टरों ने कहा है कि वह बहुत युवा दिखते हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे ने कहा कि बाइडन के डाक्टरों ने संज्ञानात्मक परीक्षण नहीं करने का फैसला लिया है। इस परीक्षण की मांग उनके कई राजनीतिक विरोधियों कर रहे हैं, जिनमें निक्की हेली भी शामिल हैं।जीन पियरे ने कहा कि राष्ट्रपति को संज्ञानात्मक परीक्षण की आवश्यकता नहीं है, यह मेरा आकलन नहीं है। ये राष्ट्रपति के डाक्टर का आकलन है।

टेक्सास के जंगलों में भीषण आग

कैनेडियन (अमेरिका)। टेक्सास पैनहैंडल के जंगलों में बुधवार को आग लग गई, जिसके कारण लोगों को प्रभावित क्षेत्र छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ा। इसके कारण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति काट दी गई जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए जबकि

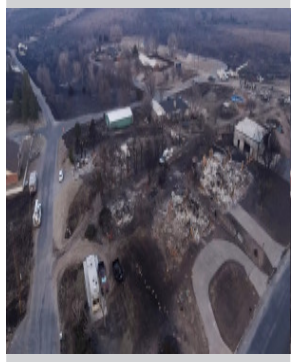

एक परमाणु हथियार इकाई को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा, क्योंकि तेज हवाओं, सूखी घास और बेमौसम गर्म तापमान के चलते आग तेजी से फैल रही थी। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने 60 काउंटी के लिए आपदा घोषित की। स्मोकहाउस क्रीक में लगी आग प्रांत के इतिहास में दूसरी सबसे बड़ी जंगल की आग बन गई। टेक्सास पैनहैंडल में लगी आग तेजी से फैलती जा रही है जिसके कारण कई लोगों को अपने घरों को खाली करना पड़ रहा है साथ ही कई शहरों की बिजली कटौती करनी पड़ी। वहींअग्निशामकों को आग की बढ़ती लपटों पर काबू पाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। फैलती हुई आग नियंत्रण से बाहर हो रही है और अब ग्रामीण कस्बों को भी खतरे में डाल सकती है।

सरस मेले में हैंडीक्राफ्ट तथा हैंडलूम के उत्पादों पर उमड़े खरीदार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। नोएडा ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित व राष्ट्रीय ग्रामीण विकास व पंचायती राज संस्थान द्वारा समर्थित सरस आजीविका मेले में आज ओएनडीसी द्वारा वर्कशॉप आयोजित की गई । जिसमें स्वयं सहायता समूहों को ऑनलाइन व्यवसाय करने के गुर सिखाये गये । इस अवसर पर ओएनडीसी से काजल जोशी, ग्रामीण विकास मंत्रालय से अंकिता व राष्ट्रीय ग्रामीण विकास व पंचायती राज संस्थान से डा रूचिरा भट्टाचार्य व चिरंजीलाल कटारिया मौजूद रहे । सरस में चल रही कार्यशालाओं से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं में मार्केटिंग कौशल बढ़ा। ग़ौरतलब है कि ग्रामीण विकास मंत्रालय व राष्ट्रीय ग्रामीण विकास व पंचायती राज संस्थान द्वारा पिछले कई वर्षों से नियमित रूप से इन वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही सेक्टर-33ए स्थित नोएडा हाट में गुरुवार को देशभर के समूह की दीदियों के लिए एक अन्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित एवं राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के द्वारा समर्थित कार्यशाला में भारत में मोटे अनाज के लिए अवसर और चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर प्राचीन स्वर्ण मिल (इंसिएंट गोल्डन मिल) की सीईओ शुभांगी सिंह ने देशभर के सभी राज्यों के महिला समूहों को मिलेट्स की उपयोगिता के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज के इस दौर में मोटे अनाज

की मार्केटिंग में कैसे अवसर और चुनौतिया हैं। हमें किस तरह इन चुनौतियों का सामना करते हुए श्री अन्न यानि मोटे अनाज का प्रचार-प्रसार करते हुए लोगों तक इसकी मजबूत पकड़ बनानी है। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे हम अपनी प्राचीन संस्कृति की ओर लौट रहे हैं। यह देश के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर एनआईआरडीपीआर की दिल्ली ब्रांच प्रभारी डॉ. रुचिरा भट्टाचार्य ने बताया कि आज भारत की संस्कृति को दूसरे देश अपना रहे हैं। चाहे योगा की बात हो या फिर मौटे अनाज को अपनाने की बात हो हमारे देश की अपनी अलग पहचान है। कार्यशाला में मुख्य रूप से इमरान, काजल तथा एनआईआरडीपीआर के असिस्टेंट डायरेक्टर चिरंजीलाल कटारिया, सुधीर कुमार सिंह, सुरेश प्रसाद तथा रमेश चंद्र उपाध्याय समेत सभी समूहों की दीदियां उपस्थिति रहे।मेले के 14वें दिन भारी संख्या में महिला एवं पुरुषों ने जमकर खरीदारी की। जबकि यहां विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने भी सरस मेले का आनंद उठाया। असम, बिहार, उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के हैंडीक्राफ्ट तथा हैंडलूम के उत्पादों की यहां महिलाओं ने खरीदारी की। नोएडा हाट में आयोजित सरस मेले में मौजूद 29 राज्यों के 400 से अधिक महिला शिल्प कलाकार, जो परंपरा, हस्तकला एवं ग्रामीण संस्कृति तथा स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं, इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रतिदिन आयोजन किया जा रहा है।

टीबी मुक्त पंचायत घोषित करने की सभी प्रक्रिया पूर्ण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। नोएडा टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित करने के लिए सभी प्रक्रिया पूरी हो चुकी हैं। जनपद की चार ग्राम पंचायतों का वेरिफिकेशन होने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुनील कुमार शर्मा ने अपनी संस्तुति रिपोर्ट जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को सौंप दी है। अब जिलाधिकारी विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर इन पंचायतों को प्रमाणपत्र प्रदान करेंगे। टीबी मुक्त पंचायत के लिए निर्धारित अर्हता पूरी करने वाली चार पंचायतों में दो दादरी ब्लॉक और दो जेवर ब्लॉक की हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुनील कुमार शर्मा ने बताया- जनपद की जिन चार पंचायतों की संस्तुति की गई है, उनमें से तीन में टीबी का एक भी मरीज नहीं है, केवल एक पंचायत में टीबी का एक मरीज है। उन्होंने बताया- दादरी ब्लॉक की दो पंचायत उपरालसी व गुलावठी खुर्द, जेवर ब्लॉक की दो पंचायत चचूरा व दिलेरपुर की ओर से टीबी मुक्त पंचायत का दर्जा हासिल करने के लिए दावा पेश

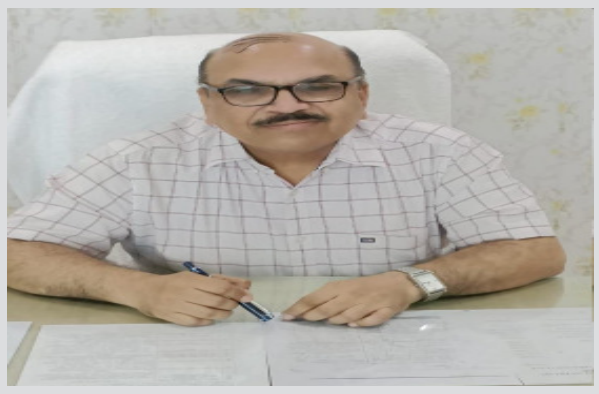

किया गया था। दादरी की उपरालसी पंचायत में 1388 की आबादी में केवल एक टीबी मरीज मिला, जबकि गत वर्ष यहां टीबी सक्सेस रेट सौ प्रतिशत था। इसके अलावा यहां दवा वितरण, निक्षय पोषण योजना, न्यूट्रिशन सपोर्ट में भी उपलब्धि सौ प्रतिशत रही। 1469 की आबादी वाली गुलावठी खुर्द पंचायत में एक भी टीबी रोगी नहीं है। इसी तरह जेवर ब्लॉक की दोनों पंचायत चचूरा व दिलेरपुर में टीबी का एक भी रोगी नहीं है। चचूरा की आबादी 2005 व दिलेरपुर की आबादी 207 है। पिछले दिनों जिला स्तरीय वेरिफिकेशन टीम ने बारी-बारी से इन चारों पंचायतों का भौतिक सर्वे किया। सर्वे के बाद अपनी संस्तुति के साथ रिपोर्ट जिलाधिकारी के समक्ष पेश कर दी गई है।

कांग्रेस एक परिवार-केंद्रित पार्टी भोजन कक्ष में लिए जाते हैं सारे फैसले

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कांग्रेस की आलोचना करते हुए दावा किया कि यह एक परिवार-केंद्रित पार्टी

है, जिसका एजेंडा 'एक परिवार के भोजन कक्ष' में तय होता है। दूसरी ओर, भाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी है, जिसका गठन उसके कार्यकर्ताओं ने किया है।सरमा ने कहा पार्टी प्रमुख कोई भी हो पार्टी के एजेंडे में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अगर आप नड्डा जी (वर्तमान भाजपा प्रमुख) को देखें तो वह महज एक कार्यकर्ता थे। वह किसी नेता के बेटे या पिता नहीं थे। सरमा ने अमित शाह और नरेंद्र मोदी जैसे अन्य नेताओं का भी उल्लेख किया जो बिना किसी पारिवारिक समर्थन या संरक्षण के शीर्ष पदों पर पहुंचे।बारपेटा जिले के चकचका में एक पार्टी कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए सरमा ने कहा, ठभाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी है, जो अपने कार्यकर्ताओं द्वारा बनाई गई है। लेकिन अगर आप कांग्रेस या अन्य दलों को देखें, तो ये कार्यकर्ताओं द्वारा गठित नहीं हैं, बल्कि उनके नेताओं और परिवारों के आसपास केंद्रित हैं।उन्होंने कहा, फैसले परिवार के भोजन कक्ष में लिए जाते हैं और कार्यकर्ता केवल इसका पालन करते हैं। परिवार की आवश्यकता के अनुरूप पार्टी का एजेंडा और विचारधारा बदल दी जाती है।ठ उन्होंने कहा कि भाजपा और पहले जनसंघ हमेशा अपने एजेंडे और उद्देश्यों पर दृढ़ रहे हैं, जो मानवता, सभी के कल्याण और भारत की समृद्धि पर आधारित हैं।सरमा ने कहा, पार्टी प्रमुख कोई भी हो, पार्टी के एजेंडे में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अगर आप नड्डा जी (वर्तमान भाजपा प्रमुख) को देखें, तो वह महज एक कार्यकर्ता थे। वह किसी नेता के बेटे या पिता नहीं थे।

दो से ज्यादा बच्चे वालों को सरकारी नौकरी नहीं सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार के फैसले को रखा बरकरार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार के उस फैसले को बरकरार जिसमें सरकारी नौकरी के लिए दो बच्चों की पात्रता मानदंड की बात कही गई। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि राजस्थान सरकार का यह फैसला भेदभावपूर्ण नहीं है और संविधान का उल्लंघन भी नहीं करता हैं।सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक रोजगार पाने के लिए राजस्थान सरकार के दो बच्चों की पात्रता मानदंड को बरकरार रखा है और फैसला सुनाया है कि यह भेदभावपूर्ण नहीं है और संविधान का उल्लंघन नहीं करता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस प्रावधान के पीछे राजस्थान सरकार का उद्देश्य परिवार नियोजन को बढ़ावा देना है।राजस्थान विभिन्न सेवा (संशोधन) नियम (2001) उन

उम्मीदवारों को सरकारी नौकरी पाने से रोकता है जिनके दो से अधिक बच्चे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दो-बच्चों के मानदंड को बरकरार रखते हुए पूर्व सैनिक रामजी लाल जाट द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया, जिन्होंने 2017 में सेना से सेवानिवृत्ति के बाद 25 मई 2018 को राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल की नौकरी के लिए आवेदन किया था।न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम 1989 के नियम 24 (4) में कहा गया है कि वो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

बरनवाल वैश्य समाज ने सोमनाथ भारती को नई दिल्ली क्षेत्र से लोकसभा उम्मीदवार बनाये जाने पर दी बधाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। नोएडा दिल्ली एवं एनसीआर के बरनवाल संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने मालवीय नगर कैंप कार्यालय में जाकर नई दिल्ली लोकसभा प्रत्याशी सोमनाथ भारती को बधाई दी बीजेएनएस अध्यक्ष शैलेंद्र बरनवाल ने बताया कि सोमनाथ भारती मालवीय नगर दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं बरनवाल वैश्य समाज की बहुत बड़ी संख्या दिल्ली एनसीआर में रहती है त् नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में बहुत से बरनवाल सरकारी क्षेत्र एवं व्यवसाय में कार्यरत हैं सोमनाथ भारती को पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र पहना कर सम्मानित किया गया एवं समाज की तरफ से सोमनाथ भारती की जीत सुनिश्चित

विधानसभा के विधायक हैं त् आम आदमी पार्टी ने उनके संघर्ष जुझारुपन एवं सेवा भाव को देखते हुए दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार घोषित किया है त् वह आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के संयुक्त उम्मीदवार के तौर पर नई करने के लिए हर संभव चुनाव में सहयोग करने का वादा किया गया इस सम्मान समारोह कार्यक्रम में शैलेंद्र वर्णवाल उमेश बरनवाल राजीव कुमार, प्रदुमन बरनवाल सोभा रानी आदि बहुत बड़े संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे ।

हिंदू मंदिरों पर टैक्स लगाने वाला विधेयक में क्या हैं प्रस्ताव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में गुरुवार को हिंदू मंदिरों पर टैक्स

लगाने वाला विधेयक पारित हो गया। यह विधेयक पिछले सप्ताह विधान परिषद में पारित नहीं हो सका था, जिसके बाद विधेयक को पुनर्विचार के लिए रखा गया और यह गुरुवार को एक बार फिर विधानसभा से पारित हो गया।कर्नाटक विधानसभा में गुरुवार को हिंदू मंदिरों पर टैक्स लगाने वाला विधेयक पारित हो गया। विधानसभा में विधेयक को पेश करते हुए मुजराई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि विधेयक पहले विधानसभा से पारित हो चुका था लेकिन विधान परिषद से पारित नहीं हो सका था। ऐसे में मैं विधानसभा से आग्रह करता हूं कि एक बार फिर विधेयक को पारित किया जाए।विधानसभा में पारित कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक, 2024 को अब सीधे राज्यपाल के पास भेजा जाएगा और अगर राज्यपाल की मुहर लग गई, तो यह कानून बन जाएगा।इससे पहले 21 फरवरी को विधानसभा से पारित होने के बाद 23 फरवरी को विधान परिषद में विधेयक लाया गया, जहां वह पारित नहीं हो सका। बता दें कि विधान परिषद में विपक्ष के पास बहुमत है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024 का हुआ भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। नोएडा ग्रेटर नोएडा स्थित जीएल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट और जीएल

बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2024 का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर, ब्रेनसास टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक एवं प्रमुख संजय श्रोत्रिया ने 'इनोवेशन के लिए टेक्नोलॉजी' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के पहले सत्र में एप्लाइड कंप्यूटिंग साइंस एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट ने जी एल बजाज सेण्टर फॉर रिसर्च एंड इन्क्यूबेशन के साथ मिल कर स्टार्टअप आइडिएशन प्रतियोगिता का भी आयोजन कराया जहां विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों ने अपने अपने आईडिया प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता की निर्णायक समिति में शामिल डॉद मोहन सिंह, डॉद संतोष कुमार श्रीवास्तव, अंशुमन सिंह, गौरव सिंह रावत, डॉद गंगा शर्मा ने बेस्ट 3 आईडियाज को सेलेक्ट किया जिसमें सीएस-डीएस के अभिषेक यादव को प्रथम, आईटी के जयंत शर्मा को द्वितीय और ईसीई के अलोक सिंह जादौन को तृतीया घोषित किया गया। समिति द्वारा सर्टिफिकेट और उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस सत्र में जीएलबीआईटीएम के निदेशक डॉद मानस कुमार मिश्रा, डॉद नरेश ढुल, पुनीत, डॉद पी.एस. पाण्डेय, माली काका प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर अभिषेक अग्रवाल जैसे गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया।

लोकसभा चुनाव से पहले बड़ा झटका नगरकुर्नूल के सांसद रामुलु भाजपा में हुए शामिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले बीआरएस को तगड़ा झटका और नगरकुर्नूल के सांसद पोथुगंती रामुलु ने गुरुवार को बीआरएस को झटका दिया। पोथुगंती रामुलु

गुरुवार को नई दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए। उनके भाजपा में शामिल होने से बीआरएस को बड़ झटका लगा है। बता दें कि अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव तारीखों की घोषणा नहीं की गई है।बता दें कि अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव होना हैं। अभी चुनाव तारीखों की घोषणा नहीं की गई है।

कार्यक्रम को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत मजिस्ट्रेटों की लगाईं गई ड्यूटा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कलेक्ट्रेट सभागार में दिनांक 01 मार्च 2024 को मा0 कैबिनेट मंत्री सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार श्री नितिन गडकरी के आगमन के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट सभागार में ड्यूटी में लगाये गये मजिस्ट्रेटो के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम को शान्तिपूर्ण, सुरक्षित सरकार को मां विन्ध्यवासिनी देवी के दर्शन पूजन की सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु उत्तरदायी होंगे। डिप्टी कलेक्टर/तहसीलदार मड़िहान संजीव कुमार यादव एवं सहायक अभियंता राष्ट्रीय मार्ग खंड लोक निर्माण विभाग अजीत प्रकाश वर्मा राजकीय पालिटेक्निक मीरजापुर स्थित हेलीपैड पर शांति व्यवस्था क्रू मेंबर सहित आवश्यक व्यवस्था एवं कार्यक्रम स्थल पर लोकार्पण/ शिलान्यास एवं जनसभा के अभिकरण, जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी परिवर्तन प्रथम व द्वितीय आपस में समन्वय स्थापित करते हुए कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। फोल्डर बुके आगमन एवं मंच हेतु पेन कागज क्लिप बोर्ड नाम पट्टिका मंच हेतु बैनर बैक ड्राप दीप प्रज्जलन हेतु समस्त व्यवस्था, आमंत्रण पत्र, साउंड सिस्टम एलईडी पेनड्राइव सामने डी एवं मंच के दाएं शांति एवं कानून व्यवस्था के उत्तरदाई होंगे। डिप्टी कलेक्टर/खंड विकास अधिकारी पहाड़ी शरद चैधरी जनसभा स्थल पर बने पंडाल के मध्य से बाएं तरफ शांति एवं कानून व्यवस्था हेतु उत्तरदाई होंगे, डिप्टी कलेक्टर चंद्र प्रकाश गौतम जनसभा स्थल पर बने पंडाल के मध्य से दाएं तरफ शांति एवं कानून व्यवस्था हेतु उत्तरदाई होंगे, जिला पूर्ति अधिकारी संजय बरनवाल अल्पाहार एवं खान-पान व्यवस्था के प्रभारी होंगे जो मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में अभिहीज अधिकारी खाद्य सुरक्षा से संबंध स्थापित करते हुए संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे, अभिहीत अधिकारी खाद्य सुरक्षा डॉ0 मंजुला सिंह अभिहीत अधिकारी खाद्य सुरक्षा मीरजापुर अपनी टीम के साथ उपस्थित रहकर अनुमन्य प्रोटोकाल के अनुसार खाद्य पदार्थों के संबंध में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे, तहसीलदार लालगंज आशीष कुमार पांडे कार्यक्रम स्थल पर आने वाले वाहनों की रुट व्यवस्था एवं उन्हें चिन्हित पार्किंग स्थलों पर व्यवस्थित तरीके से पार्क कराये जाने एवं समस्त पार्किंग स्थलों पर शांति व्यवस्था कायम रखने हेतु उत्तरदाई, होंगेज्वाइंट मजिस्ट्रेट/प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक प्रसाद संपूर्ण कार्यक्रम हेतु कार्यक्रम स्थल संपूर्ण मार्ग पर सफाई व्यवस्था के प्रभारी होंगे जो अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर एवं खंड विकास अधिकारी/ सहायक विकास अधिकारी को आवश्यक निर्देश देते हुए उक्त संपूर्ण कार्यक्रम में साफ सफाई रखने हेतु उत्तरदाई होंगे, नायब तहसीलदार मड़िहान बिंदु नंदन सिंह राजकीय पालिटेक्निक स्थित सेफ हाउस की समस्त व्यवस्था के प्रभारी होंगे

एवं सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत उप जिलाधिकारी मड़िहान युगांतर त्रिपाठी को मा0 कैबिनेट मंत्री भारत सरकार को विन्ध्याचल मोतिया झील हेलीपैड से विन्ध्याचल दर्शन पूजन एवं कार्यक्रम स्थल तक लाने तथा कार्यक्रम समाप्ति के उपरान्त पुनः हेलीपैड तक वापस ले जाने हेतु सम्पूर्ण यातायात एवं फ्लीट व्यवस्था उत्तरदायी होगे, नायाब तहसीलदार सदर लालचन्द राम विन्ध्याचल मोतिया झील हेलीपैड स्थित हेलीपैड पर शान्ति व्यवस्था एवं क्रू मेम्बर हेतु आवश्यक व्यवस्था के लिये उत्तरदायी तथा तहसीलदार चुनार शक्ति प्रताप सिंह अष्टभुजा निरीक्षण गृह पर अवस्थान सम्बंधी समस्त आवश्यक व्यवस्था हेतु उत्तरदायी होंगे। उप जिलाधिकारी सदर आसाराम वर्मा एवं नायाब तहसीलदार सदर राहुल कुमार मिश्रा मा0 कैबिनेट मंत्री भारत सरकार को मां विन्ध्यवासिनी देवी के दर्शन पूजन की सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु उत्तरदायी होंगे। डिप्टी कलेक्टर/तहसीलदार मड़िहान संजीव कुमार यादव एवं सहायक अभियंता राष्ट्रीय मार्ग खंड लोक निर्माण विभाग अजीत प्रकाश वर्मा राजकीय पालिटेक्निक मीरजापुर स्थित हेलीपैड पर शांति व्यवस्था क्रू मेंबर सहित आवश्यक व्यवस्था एवं कार्यक्रम स्थल पर लोकार्पण/ शिलान्यास एवं जनसभा के संबोधन हेतु स्थापित मंच एवं पांडाल की शांति एवं कानून व्यवस्था हेतु उत्तरदाई होंगे। लोकार्पण/ शिलान्यास हेतु समस्त आवश्यक व्यवस्था हेतु उपायुक्त एनआरएलएम, उद्घोधन हेतु बुलेट प्वाइंट की व्यवस्था जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, उद्घोषक को मिनट 2 मिनट कार्यक्रम का विवरण विकास कार्यों की प्रगति से संबंधित रिपोर्ट उपलब्ध कराना डायस प्लान एवं मंच पर सीटिंग व्यवस्था मा0 जनप्रतिनिधियों को आमंत्रण पत्र आदि जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, अभियंता राष्ट्रीय मार्ग खंड लोक निर्माण विभाग, उपायुक्त एनआरएलएम एवं जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। जन सामान्य के आवागमन परिवहन की व्यवस्था हेतु परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0, जिला ग्राम विकास जनरेटर डिस्पले बोर्ड हैंगर शेल्टर की व्यवस्था मंचासीन विशिष्ट अतिथियों के नाश्ता पानी की बोतल की व्यवस्था लोकार्पण शिलान्यास हेतु मंच का निर्माण एवं पंडाल व फीचर की व्यवस्था मंच की सजावट एवं पांडाल मंच की प्रकाश व्यवस्था फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी जिला विकास अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय मार्ग खंड लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड, सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा, जिला सूचना अधिकारी आपस में समन्वय स्थापित करते हुए व्यवस्था हेतु उत्तरदाई होंगे। उप जिलाधिकारी चुनार राजेश वर्मा जनसभा स्थल पर बने मंच के पीछे एवं मंच के बाएं शांति एवं कानून व्यवस्था के लिए उत्तरदाई होंगे। उप जिला मजिस्ट्रेट लालगंज गुलाबचंद वर्मा जनसभा स्थल पर बने मंच के

एक हफ्ते में ही निकला विद्युत जामवाल की 'क्रैक' का दम बिजनेस में भारी गिरावट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। विद्युत जामवाल की फिल्म क्रैक की हालत नाजुक बनी हुई हैं। फिल्म को रिलीज हुए अभी एक हफ्ते पूरे भी नहीं हो पाए है, लेकिन बिजनेस औंधे मुंह गिर पड़ा है। बुधवार को कलेक्शन में भारी गिरावट देखने को मिली।विद्युत जामवाल की फिल्म क्रैक की हालत बॉक्स ऑफिस पर खराब होती जा रही है। फिल्म को रिलीज हुए अभी चंद दिन ही हुए है लेकिन कमाई के मामले में पीछे छूटती जा रही है। अब बुधवार को भी क्रैक का बिजनेस काफी कम रहा है। इस बार तो कमाई करोड़ से गिरकर लाख में पहुंच गई।विद्युत जामवाल की 'क्रैक' उनकी पिछली फिल्मों की तरह एक एक्शन मूवी है। हालांकि, एक्टर इस बार अपने फैंस को इंप्रेस नहीं कर पा रहे हैं।क्रैक' बीते शुक्रवार, 23 फरवरी को थिएटर्स में रिलीज हुई है। विद्युत जामवाल ने जोर- शोर से अपनी फिल्म का प्रमोशन किया। कई इवेंट में, तो एक्टर ने लाइव स्टंट भी किया।

हालांकि, इन सब का ज्यादा फायदा फिल्म को मिल नहीं रहा है।क्रैक' अपनी ओपनिंग से ही संघर्ष कर रही है। पहले दिन विद्युत जामवाल की फिल्म ने 4.25 करोड़ के साथ बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत की। इसके अगले दिन ही 'क्रैक' का बिजनेस रविवार को 2.30 करोड़ का बिजनेस किया। गिरते- पड़ते 'क्रैक' ने वीकेंड पर लगभग 8 करोड़ कमा लिए।विद्युत जामवाल की फिल्म की हालत तब और खराब हो गई, जब मंडे टेस्ट का सामना करना पड़ा। 'क्रैक' का बिजनेस गिरकर एक करोड़ पहुंच गया। गिर गया, वीकेंड के बावजूद। शनिवार को फिल्म ने 2.15 और

आलिया भट्ट की जबरा फैन निकली बांग्लादेश की ये खूबसूरत हसीना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मुंबई। लगभग 28 साल के बाद 71वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली और मुंबई में हो रहा है। प्रतियोगिता में 177 देशों की सुंदरियां भाग ले रही हैं। भारत आईं ये सुंदरियां यहां की संस्कृति के साथ बॉलीवुड से भी काफी प्रभावित हैं। उन्हें इंडस्ट्री के गाने याद हैं। वह बताती हैं कि बॉलीवुड की फिल्मों से ही उन्होंने हिंदी सीखी है।आगामी मिस व?र्ल्ड प्रतियोगिता का आयोजन इस बार भारत की राजधानी नई दिल्ली और मुंबई में होने जा रहा है। इस प्रतियोगिता में अलग-अलग देशों की खूबसूरत हसिनाओं ने भाग लिया है। इस दौरान बांग्लादेश की सुंदरी शीमा इस्लाम नीला ने एक बातचीत के दौरान बॉलीवुड और सुपरस्टार आलिया भट्ट को लेकर खुलकर बात की है।इस्लाम नीला का कहना है- मैंने बॉलीवुड मूवीज देखने के बाद ही हिंदी बोलना सीखा है। भारत बहुत ही शानदार देश है। यह कंप्टीशन मेरे लिए आसान होता जा रहा है, क्योंकि मुझे (हंसते हुए) हिंदी आती है। इसलिए, ऊपर वाले ने कुछ मेरे सपोर्ट में भी काम किया। यह सफर अच्छा जा रहा है। बहरहाल, इस प्रतियोगिता में आने से महज 15 दिन पहले ही मुझे क्राउन दिया गया। तो बहुत जल्दी में सब कुछ करना पड़ा। हालांकि, मैं हमेशा से ही इस प्रतियोगिता में आने के लिए स्वयं को तैयार करती रही।

कमाई के इस आंकड़े पर 'आर्टिकल 370' की नजर जानिए छठे दिन कितना हुआ कलेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के मुद्दे पर आधारित फिल्म आर्टिकल 370 रिलीज का पहला सप्ताह पूरे करने जा रही है। यामी गौतम की इस मूवी को ऑडियंस और फिल्म क्रिटिक्स की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला, जिसकी बदौलत आर्टिकल 370 ओपनिंग वीकेंड तक धमाकेदार कारोबार करने में कामयाब रही।यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 रिलीज के एक सप्ताह पूरा करने की कगार पर खड़ी है। इस फिल्म को लेकर फैंस की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स सामने आया जिसकी वजह से शुरुआती दिनों में आर्टिकल 370 ने शानदार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। इस बीच मूवी के छठे दिन के कारोबार की डिटेल्स आ गई है।इस बीच यामी गौतम की आर्टिकल 370 के छठे दिन के बॉक्स

ऑफिस कलेक्शन के ताजा आंकड़े सामने आ गए हैं। आइए जानते हैं कि बुधवार को इस मूवी ने कितनी कमाई की है।सोमवार के बाद से आर्टिकल 370 का कलेक्शन हर रोज कम होता हुआ नजर आ रहा है। बुधवार को भी एक बार फिर से निर्देशक आदित्य सुहास जांभले की फिल्म के कारोबार पर मार पड़ी है। जिसका अंदाजा आर्टिकल 370 के छठे दिन के कलेक्शन के आंकड़ों से आसानी से लगाया जा सकता है।गौर करें यामी गौतम की फिल्म के बुधवार के कलेक्शन की तरफ तो सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के अनुसार इस मूवी ने करीब 3.10 करोड़ की अनुमानित कमाई कर ली है। मंगलवार की अपेक्षा एक बार फिर से आर्टिकल 370 के कारोबार में कटौती देखने को मिली है। इतना ही नहीं इन छः दिनों में आर्टिकल 370 की कमाई का सिलसिला कुछ इस प्रकार चला है।आर्टिकल 370 की कमाई इन नंबर्स से इस बात का अनुमान लगाया जा सकता है कि पहले सप्ताह तक ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नेट 40 करोड़ का कलेक्शन करती हुई दिख सकती है। हालांकि जिस तरह से कमाई का ग्राफ नीचे की तरफ जा रहा है, उससे यामी गौतम की फिल्म के लिए राह आसान होती नहीं दिख रही है।

यशराज मुखाटे ने गर्लफ्रेंड संग रचाई शादी रसौड़े में कौन था फेम म्यूजिशियन को इन सेलेब्स से मिली बधाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। कोरोना काल में लोगों के हंसने की वजह बनने वाले समय यशराज मुखाटे की निजी जिंदगी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यशराज मुखाटे

संगीतकार यशराज मुखाटे को भला कौन भूल सकता है। रसौड़े में कौन था मैशअप के जरिए यशराज ने महामारी के दौर में घर बैठे अपने टैलेंट से हर किसी का मनोरंजन किया। इस बीच यशराज को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है।रसौड़े में कौन था मैशअप के लिए मशहूर संगीतकार यशराज मुखाटे को भला कौन नहीं जानता। बतौर म्यूजिशियन उन्होंने अपनी खास पहचान बनाई है। लेकिन इस ने अपनी गर्लफ्रेंड कल्पना संग शादी रचा ली है और इसका एलान उन्होंने सोशल मीडिया पर किया है।28 वर्षीय इस म्यूजिक आर्टिस्ट ने अपनी प्रेमिका कल्पना संग शादी कर ली है। इस मामले को जानकारी यशराज मुखाटे ने सोशल मीडिया पर दी है और एक लेटेस्ट तस्वीर को साझा किया है। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर तमाम बॉलीवुड सेलेब्स यश को शादी की मुबारकबाद भी दे रहे हैं।

दीवार के इस सीन ने उड़ा दी थी अमिताभ बच्चन की नींद कमरे में खुद को 15 घंटे के लिए कर दिया लॉक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। "आज मेरे पास बिल्डिंग है, प्रोपर्टी है, बैंक बैलेंस, बंगला, गाड़ी है, क्या है तुम्हारे पास, मेरे पास मां है।" हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार अमिताभ बच्चन और शशि कपूर का ये डायलॉग्स हम सब ने एक न एक बार जरूर सुना

होगा।अमिताभ बच्चन के करियर की सबसे शानदार फिल्मों के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें (1975) का नाम जरूर शामिल होगा। इस मूवी के जरिए बिग बी ने बतौर अभिनेता ने मील का पत्थर का कायम किया। अमिताब बच्चन की दीवार से जुड़े कुछ अनसुने तथ्य मौजूद हैं जिनके बारे में आज हिट फिल्में सुपरहिट किस्से में चर्चा की जाएगी।साल 1975 में आई फिल्म दीवार का ये संवाद काफी ज्यादा पॉपुलर हुआ। दीवार अमिताभ के फिल्मी करियर की उन चुनिंदा फिल्मों से एक हैं, जो लंबे समय तक सिनेमाघरों में चली है। इस मूवी को लेकर कई सारे रोचक तथ्य मौजूद हैं। ऐसे में आज हिट फिल्में, सुपरहिट किस्से में इस फिल्म के बारे में विस्तार से बात की जाएगी।निर्देशक यश चोपड़ा के डायरेक्शन में फिल्म दीवार को बनाया गया। जंजीर जैसी सफल फिल्म की कहानी लिखने के बाद एक बार फिर से सलीम खान और जावेद अख्तर की जोड़ी ने अमिताभ बच्चन स्टारर दीवार की कहानी को बुना।

मुकेश अंबानी ने अपने हाथों से लोगों को परोसा खान मंगेतर अंनत संग अदा की ये खास रस्म

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भारत मशहूर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी बहुत जल्द शादी के पवित्र बंधन में बंधने वाले है। मंगेतर राधिका मर्चेंट के साथ अनंत की शादी कुछ समय बाद होने जा रही है। इससे पहले गुजरात के जामनगर में अनंत और राधिका के प्री वेडिंग फंक्शन का आयोजन किया जा रहा है, राधिका मर्चेंट की शादी से पहले गुजरात के जामनगर में प्री वेडिंग फंक्शन की शुरुआत हो गई है। इस कार्यक्रम का आगाज अंबानी परिवार की खास रस्म अन्न सेवा के जरिए हुआ है जिसमें उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अंनत ने अपनी होने वाली पतने राधिका के साथ लोगों को खाना परोसा है। इस मौके की तस्वीरें और वीडियो सामने आ गई है।जिसकी शुरुआत अंबानी परिवार की अनन्न सेवा रस्म के साथ हुई है। इस दौरान अनंत ने होने वाली पतने राधिका और पिता मुकेश अंबानी के साथ मिलकर लोगों को अपने हाथों से खाना परोसा है। इस मौके के लेटेस्ट वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं।गुजरात के जामनगर इस समय अंबानी परिवार

के खास इवेंट को लेकर जगमग हो रखा है। सूबे में रियालंस टाउनशिप के पास जोगवड गांव में मुकेश अंबानी, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट सहित फैमिली के अन्य सदस्यों ने गांव वालों को पारंपरिक गुजराती खाना परोसा। राधिका के माता-पिता नानी ने भी इस अनन्न सेवा में हिस्सा लिया।करीब 51 हजार स्थानीय निवासियों को भोजन परोसा जाएगा। जो अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगा। इस खास रस्म के साथ ही अनंत और राधिका के प्री वेडिंग फंक्शन को शुरू किया गया है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि किस तरह से ये दोनों स्थानीय लोगों को प्यार से खान परोस रहे है।अंबानी परिवार में अनन्न सेवा की परंपरा काफी पुरानी है। परिवारिक शुभ अवसरों पर अंबानी परिवार अनन्न सेवा करता रहा है। कोरोना महामारी के दौरान जब देश संकट में था

आमिर खान के बाद नवाजुद्दीन सिद्दीकी संग दिखाई दिए मुनव्वर फारुकी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। बिग बॉस 17 का खिताब जीतने के बाद मुनव्वर फारुकी लाइमलाइट में बने हुए है। कुछ दिनों पहले ही टीवी एक्ट्रेस हिना खान के साथ उनका एक म्यूजिक वीडियो आया है, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। मुनव्वर बिग बॉस 17 जीतने के बाद न सिर्फ फैंस के, बल्कि कई सेलेब्स के भी पसंदीदा बन गए है। इन दिनों काफी सुखिर्यों में है। हिना खान के साथ उनका म्यूजिक वीडियो हल्की हल्की सी लोगों को काफी पसंद आ रहा है। अब इस गाने पर बिग बॉस विनर और बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी रील बनाते हुए नजर आए। इसका एक वीडियो उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है जिसे लोग काफी पसंद कर रहे है।हाल ही में मुनव्वर, किरण राव के निर्देशन में बनी 'लापता लेडीज' की स्क्रीनिंग में नजर आए थे। यहां उन्होंने कई बॉलीवुड सितारों से मुलाकात की और उनके साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड किया। अब बिग बॉस विनर ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ एक वीडियो शेयर किया है।मुनव्वर फारुकी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में बिग बॉस विनर अपने म्यूजिक वीडियो 'हल्की-हल्की सी' की शायरी बोलते हुए नजर आते हैं। तभी नवाजुद्दीन आते हैं बोलते हैं 'वाह यार, क्या शायरी है मुनव्वर, चलो चाय पीते हैं'।मुनव्वर फारुकी और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की इस वीडियो पर फैंस भी अपने रिएक्शन देते हुए नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, 'एक फ्रेम में दो बेहतरीन कलाकार'। एक अन्य ने लिखा, 'डोंगरी वाला आज बॉलीवुड की गेस्ट लिस्ट में'। तीसरे यूजर ने लिखा, 'हल्की-हल्की सी का मेरा पसंदीदा हिस्सा'।बता दें कि मुनव्वर और हिना का वीडियो 'हल्की-हल्की सी' काफी ट्रेंडिंग में बना हुआ है।

फिल्मी कहानी से कम नहीं तापसी पन्नू और ब्वॉयफ्रेंड मैथियास बो की लव स्टोरी, पहली बार ऐसे हुई थी मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। शाह रुख खान की पिछली फिल्म डंकी में अपनी कमाल की एक्टिंग से फैंस का दिल जीतने वाली अदाकारा तापसी पन्नू इस समय चर्चा का विषय बनी हुई है। ब्वॉयफ्रेंड और बैडमिंटन स्टार मैथियास बो के साथ शादी की खबरों को लेकर तापसी जमकर सुखिर्यां बटोर रही है।एक्ट्रेस तापसी पन्नू का नाम इस समय लगातार सुखिर्यां बटोर रहा है।

ब्वॉयफ्रेंड दा के साथ शादी की खबरों को लेकर तापसी जमकर लाइमलाइट बटोर रही है। बताया जा रहा है कि 10 साल के रिलेशनशिप को अब ये कपल जल्द ही शादी का नाम देने वाला है। ऐसे में आइए जानते हैं कि जेाऔर मैथियास बो की लव स्टोरी कैसे शुरू हुई।मिली जानकारी के अनुसार अगले महीने ये कपल शादी के सात फेरे लेते हुआ नजर आ सकता है। इससे पहले हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर किस तरह से और मैथयास बो के 10 साल के रिलेशनशिप की शुरुआत हुई।तापसी के होने वाले हमसफर मैथियास बो डेनमार्क के बैडमिंटन खिलाड़ी है। एक्ट्रेस तापसी के साथ संबंध को लेकर वह काफी लाइमलाइट में रहते हैं। बात की जाए तापसी और मैथियास की पहली मुलाकात की तो एनडीटीवी की खबर के मुताबिक साल 2013 में इन दोनों की पहली मुलाकात एक इंडियन बैडमिंटन लीग के दौरान हुई थी।जहां एक तरफ मैथियास अवध वॉरियर्स टीम का हिस्सा थे तो वहीं दूसरी तरफ तापसी हैदराबाद हॉटशॉट्स टीम की ब्रांड एंबेसडर थीं। इस मौके पर तापसी पन्नू और मैथियास बो एक दूसरे से मिले पिंक और सूरमा जैसी कई शानदार मूवीज के लिए मशहूर तापसी पन्नू और मैथियास बो ने कभी अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात नहीं की और न ही डेटिंग को लेकर जिक्र किया। लेकिन साल 2014 में पहली बार ऐसा हुआ जब मैथियास और तापसी की डेटिंग की खबरों ने तूल पकड़ा।

अजय, सिद्धार्थ, करीना स्टारर ये 10 फिल्में बदल सकती हैं गणित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। साल के पहले दो महीने फिल्म इंडस्ट्री के लिए बहुत अच्छे नहीं रहे। फाइटर और तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया ने कारोबार तो किया, मगर इतना नहीं कि बॉक्स ऑफिस की सूरत बदल सकें।मार्च में अजय देवगन की शैतान समेत कुछ फिल्में ऐसी आ रही हैं जो बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा सकती हैं। हालांकि शैतान भी मंझले बजट की फिल्म है। ये इवेंट फिल्म नहीं है लेकिन बॉक्स ऑफिस पर दर्शक जुटा सकती है। वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा से भी उम्मीदें लगी हैं कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस के गम को कम कर सकती है।फाइटर 200 करोड़ के पड़ाव को पार कर चुकी है, मगर बजट, स्टार कास्ट और हाइप के मुकाबले ये रकम कम है। शाहिद कपूर की फिल्म भी कमोबेश ऐसी ही रही। यामी गौतम की आर्टिकल 370 ने शुरुआती दिनों में अच्छी रफ्तार पकड़ी है और बज को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि फिल्म लम्बी रेस खेल सकती है। अब ट्रेड की नजरें मार्च पर है, जिसमें कुछ दिलचस्प फिल्में आ रही है। वरुण तेज और मानुषी छिल्लर अभिनीत ये फिल्म पहले 16 फरवरी को रिलीज होने वाली थी, मगर इसे किन्हीं कारणों से स्थगित कर

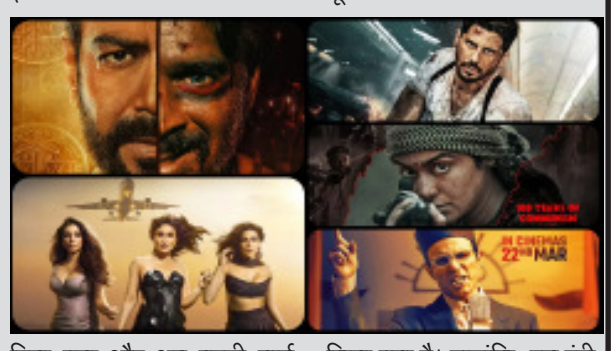

दिया गया और अब पहली मार्च को रिलीज हो रही है। ऑपरेशन वेलेंटाइन तेलुगु के साथ हिंदी में भी बनाई गई है। यह एरियल एक्शन फिल्म है, जिसमें वरुण और मानुषी वायु सेना के अधिकारी बने हैं। फाइटर से मिलती-जुलती थीम वाली यह फिल्म दर्शकों को कितना लुभा पाएगी, इसका इंतजार रहेगा। वैसे तो ये छोटे बजट की फिल्म है, लेकिन इसका निर्माण आमिर खान ने किया है और निर्देशक उनकी पूर्व पतने किरण राव हैं, इसलिए यह फिल्म अहम हो गई है। नवोदित कलाकारों को मुख्य भूमिका में लेकर फिल्म का निर्माण किया गया है। हालांकि, इस इंडी फिल्म का आमिर ने पतने के साथ खूब प्रचार किया है। यह फिल्म सरप्राइज दे सकती है। इस सोशल ड्रामा फिल्म में अनुपम खेर, दर्शन कुमार और दिवंगत सतीश कौशिक मुख्य भूमिकाओं में हैं। सतीश की ये आखिरी रिलीज बताई जा रही है।

बालाकोट एंड बियॉन्ड' का नया फोटो जारी इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी स्ट्रीम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। 'उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक' के बाद अब लोगों के सामने 'बालाकोट एयरस्ट्राइक' की कहानी आने वाली है। आज 26 फरवरी को 'बालाकोट एयरस्ट्राइक' को पूरे पांच साल हो गए हैं। ऐसे में आज ही जिमी शेरगिल और लारा दत्ता स्टारर 'रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड' का एक नया वीडियो जारी कर दिया गया है।स्टारर नई वेब सीरीज रणनीति बालाकोट एंड बियॉन्ड का आज 26 फरवरी को एक नया वीडियो जारी किया गया है। आज ही बालाकोट एयरस्ट्राइक को भी पूरे पांच साल हो गए हैं। ऐसे में इस वेब सीरीज में बालाकोट एयरस्ट्राइक की कहानी देखने को मिलने वाली है। जल्द ही यह सीरीज ओटीटी पर आने वाली है।बालाकोट एयर स्ट्राइक को पांच साल पूरे होने के मौके पर जियो सिनेमा ने वेब सीरीज 'रणनीतिः बालाकोट एंड बियॉन्ड' की एक नई झलक फैंस को दिखाई है। मेकर्स ने इस सीरीज का प्रोमो वीडियो शेयर किया है। वीडियो शुरू होते ही पहले पुलवामा अटैक से जुड़ी झलक देखने को मिलती है।इसके बाद

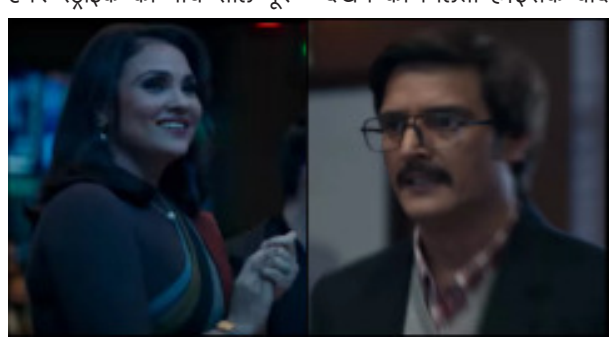

बैकग्राउंड से आवाज आती है तारीख बदलती है, इतिहास बनता है। इसके बाद 26 फरवरी बालाकोट एयर स्ट्राइक की तारीख लिखी हुई आती है और बैकग्राउंड से सुनाई देता है।

इमरान हाशमी और श्रिया सरन स्टारर वेब सीरीज शोटाइम रीलीज होगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'शोटाइम' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। एक्टर सीरीज के प्रमोशन को लेकर बिजी चल रहे हैं। इस दौरान इमरान हाशमी ने अपने एक हालिया इंटरव्यू में खुलासा किया कि कभी वो नंबर 8 और 13 को लेकर अंधविश्वास थे।इमरान हाशमी और श्रिया सरन स्टारर वेब सीरीज शोटाइम कुछ दिनों में ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इस बीच दोनों स्टार्स जोर- शोर से अपनी सीरीज का प्रमोशन कर रहे हैं। एक हालिया इंटरव्यू में इमरान हाशमी और श्रिया सरन अपनी फिल्म आवारापन के दिनों का याद किया और कुछ पुराने किस्से शेयर किए।इमरान हाशमी के साथ इमरान हाशमी फिल्म वेब

'शोटाइम' में एक्ट्रेस श्रिया सरन भी शामिल हैं। दोनों ने हाल ही में पिंकविला को एक इंटरव्यू दिया। जहां एक्ट्रेस ने फिल्म आवारापन की शूटिंग के दिनों का किस्सा शेयर किया। श्रिया सरन ने बताया कि आवारापन की शूटिंग के दौरान डायरेक्टर और प्रोड्यूसर को नंबर 8 और 13 को लेकर खास हिदायत देते थे।इमरान हाशमी ने इस पर खुलासा किया कि कभी वो नंबर 8 और 13 को लेकर अंधविश्वास थे। इन दोनों नंबरों को लेकर उनका रवैया ओसीडी जैसा हो गया था, क्योंकि वो हर हाल में इनसे बचने की कोशिश करते थे। एक्टर ने कहा कि जब कभी भी शूटिंग के लिए बाहर जाना होता था, तो अपने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर्स को पहले ही बात देते थे कि उनके लिए होटल में ऐसे कमरे न बुक किए जाए, जिनके नंबर 8 या 13 हो, या फिर उनका कॉम्बिनेशन इससे मेल खाता हो।इमरान हाशमी ने आगे बताया कि नंबर 8 और 13 को लेकर उनका अंधविश्वास समय के साथ- साथ खत्म हो गया,जब एक्टर ने नोटिस किया कि उनके जिंदगी में कई अच्छी घटनाएं इन दो खास तारीखों पर हुई हैं।को डिजने प्लस हॉटस्टार पर रिलीज की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।